www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 288 नई दिल्ली, मंगलवार , 11 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

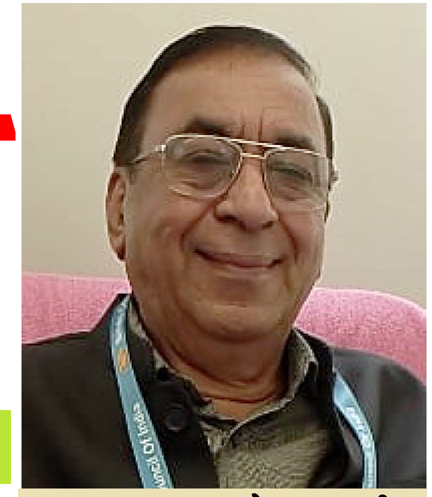

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

कोलंबिया में भीषण भूकंप से तबाही, 47 लोगों की मौत

कोलंबिया। कोलंबिया में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 7.4 थी और इसका केंद्र 115 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके राजधानी बोगोटा समेत कई इलाकों में महसूस किए गए। ताजा जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोगों के इमारतों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है।

एशियाई शेरों की संख्या 10 वर्ष में बढ़कर 891 हुई : भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली। भारत में एशियाई शेरों की संख्या वर्ष 2015 में 523 से बढ़कर 2025 में 891 हो गयी है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि शेरों की संख्या बढ़ना वन अधिकारियों, संरक्षणवादियों और स्थानीय समुदायों के समर्पण का परिणाम है। श्री यादव ने विश्व शेर दिवस 2026 के अवसर पर वन्यजीव एवं जैव-विविधता संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

व्हाट्सएप में वैश्विक स्तर पर आई दिक्कत, यूजर्स प्रभावित

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के कई यूजर्स ने सोमवार को सेवा में बाधा (आउटेज) की शिकायत की। इस तकनीकी समस्या का असर खासतौर पर फोटो, वीडियो, स्टिकर्स, गिफ्स (जीआईएफ) और अन्य मीडिया फाइलों को भेजने एवं प्राप्त करने पर देखा गया। भारत समेत कई देशों के यूजर्स ने सोशल मीडिया और आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की। आउटेज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, सोमवार सुबह से ही बड़ी संख्या में यूजर्स ने व्हाट्सएप में समस्या की रिपोर्ट करनी शुरू कर दी थी।

नौसेना प्रमुख चार दिन की मॉरीशस यात्रा पर हुए रवाना

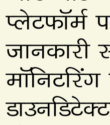

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन सोमवार से मॉरीशस की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं जिसका उद्देश्य भारत और मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख मॉरीशस सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे और समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण तथा सैन्य सहयोग पर चर्चा करेंगे।

जंतर-मंतर पर न तो चलाई गई गोली और न ही दिया गया कोई आदेश : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री और राज्य सभा में नेता पक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को आड़े लेते हुए उन्हें सदन में चर्चा के लिए चुनौती दी। जे पी नड्डा ने कहा कि सरकार सदन में चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को उचित जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को गलत जानकारी नहीं फैलानी चाहिए क्योंकि जंतर-मंतर पर न तो कोई गोली चलाई गई थी और न ही वहां गोली चलाने का कोई आदेश दिया गया था। सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी संसद में और जनता के बीच अपनी बात लगातार बदलते रहते हैं। उनका उद्देश्य बातचीत करना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। सत्र की शुरूआत में उन्होंने नीट पर चर्चा की मांग की। जब हम उस पर चर्चा के लिए तैयार हुए, तो उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट का मुद्दा उठा दिया। इसके बाद उन्होंने जंतर-मंतर की घटना को लेकर गृह मंत्री से बयान देने की मांग की। उनका उद्देश्य सदन की कार्यवाही को चलने नहीं देना है। इसी वजह से पिछले 15 दिनों से वे सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं और साथ ही जंतर-मंतर के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जब जंतर-मंतर के मुद्दे पर चर्चा करने का फैसला हो गया, तो उन्होंने लोगों और देश को गुमराह करना शुरू कर दिया। उन्होंने दावा किया कि जंतर-मंतर पर गोलियां चलाई गईं, जबकि वास्तव में ऐसी कोई घटना हुई ही नहीं थी। गृह मंत्री हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं। हमारा हमेशा से सीधा रुख रहा है—सदन को चलने दिया जाए। अगर सदन चलता है, तो हम हर मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार हैं, जैसा कि हम हमेशा करते आए हैं। हमारा पिछला रिकॉर्ड इसका प्रमाण है। नड्डा ने कहा कि सदन के अंदर हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने विपक्ष से पूछा कि क्या आज झारखंड के छात्रों की आवाज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है? वहां प्रदर्शन करने वालों छात्रों पर कांटेदार तार लगाए गए हैं। वे वहां की सरकार का हिस्सा हैं और प्रभावी रूप से सरकार चला रहे हैं। क्या उन्हें वहां के छात्रों की आवाज सुनाई नहीं देती? उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा अपनाए जा रहे दोहरे मापदंड, अराजकता फैलाने, नकारात्मक राजनीति करने और गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से देश के भविष्य और विकास को कोई फायदा नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शिक्षकों को टीईटी पास करने का समय 2028 तक बढ़ा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निदेशानुसार आरटीई अधिनियम के दायरे में आने वाले स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य न्यूनतम योग्यता है। पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर टीईटी योग्यता हासिल करनी होगी। शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर 2025 के अपने फैसले में टीईटी को बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 की धारा 23 के तहत निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं में शामिल माना था। अदालत ने पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा में टीईटी उत्तीर्ण करने का निर्देश दिया था। बाद में 29 मई 2026 को समीक्षा याचिकाओं का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टीईटी योग्यता हासिल करने की समय सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। अदालत ने संबंधित सरकारों और प्राधिकरणों से टीईटी का आयोजन नियमित रूप से अधिमानतः साल में दो बार करने का प्रयास करने को कहा, ताकि पात्र शिक्षकों को न्यूनतम योग्यता हासिल करने के लिए पर्याप्त अवसर मिल सके। सुप्रीम कोर्ट ने आरटीई अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त उन सेवारत शिक्षकों की व्यावहारिक कठिनाइयों को भी ध्यान में रखा, जिनकी सेवानिवृत्ति में पांच साल से कम समय बचा था।

मप्रः उज्जैन में धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की श्रावण मास की दूसरी सवारी

उज्जैन, 10 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में सावन दूसरे सोमवार विश्व प्रसिद्ध ज्योतर्तिंग भगवान की महाकाल दूसरी सवारी धूमधाम से निकली। अवंतिकानाथ बाबा महाकाल चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर मनमहेश स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले और निकले अपनी प्रजा का हाल जाना।

सवारी निकलने से पूर्व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने दोपहर 3:30 बजे श्री

महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में भगवान महाकालेश्वर का षोडशोपचार पूजन-अर्चन किया। इसके बाद आरती संपन्न हुई। पूजन-अर्चन और आरती शासकीय पुजारी पं. घनश्याम शर्मा ने संपन्न कराई। इसके बाद अवंतिकानाथ भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर और मनमहेश स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले।

सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, जहां सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं, हाथी पर सवार भगवान मनमहेश के स्वरूप पर पुष्पवर्षा की गई। सवारी मार्ग के दोनों ओर हजारों श्रद्धालुओं ने पालकी में विराजित श्री चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर सवार मनमहेश भगवान के भक्तिभाव से दर्शन किए। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंची।

लोजपा (रा) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

नई दिल्ली/पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

सोमवार को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी की नीतियों, संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों तथा विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। चिराग पासवान ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने तथा पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता निशांत मिश्रा ने बताया कि चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन की तैयारियों, विभिन्न राज्यों में पार्टी की गतिविधियों को और तेज करने तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे।

झारखंड में छात्रों ने विधानसभा का किया घेराव

घेराव के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले छोड़े गए

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों ने सोमवार को विधानसभा का घेराव

- **बड़ी संख्या में छात्र आंदोलन स्थल पर जुटे थे**
- **प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे**

किया। विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद प्रदर्शन बढ़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के छह गोले छोड़े।

पुलिस की कार्रवाई में कई छात्र घायल हो गए। सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र आंदोलन स्थल पर जुटे थे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत छात्रों ने विधानसभा की ओर कूच किया। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगाए गए कई स्तर के

बैरिकेडिंग को पार करने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासन की ओर से उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रदर्शनकारियों [illegible] कैनन चलाया [illegible] को तैयार नहीं [illegible] बाद पुलिस ने [illegible] के बाद मौके [illegible] की स्थिति ब[illegible] देवेंद्रनाथ मह[illegible] सरकार को अ[illegible]

पार्लियामेंट्री पैनल ने रक्षा मंत्रालय से विकसित एयरक्राफ्ट खरीदने का रोडमैप मांगा

परीक्षा अनियमितता मामले में सीआई[illegible]

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन एल. ख्यागत गिरफ्तार

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा घेराव तक पहुंच गया। इसी बीच झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व चेयरमैन एल. ख्यांगते को जेपीएससी परीक्षा में अनियमितता के मामले में सीआईडी की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच सीआईडी कर रही है। इसी जांच के क्रम में पूर्व चेयरमैन एल. ख्यांगते से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। उन्हें 28 जुलाई को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

सिंधी समाज में गूंज रहा भगवान झूलेलाल का जयघोष, सभी जगह चालीहा महोत्सव की धूम

सिंधु समाज दिल्ली द्वारा 16 जुलाई से 25 अगस्त तक श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजन

नई दिल्ली। भगवान श्री झूलेलाल जी के जयकारों और भक्ति गीतों से इन दिनों सिंधी समाज का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बसे सिंधी समाज के लोग अपने आराध्य देव भगवान श्री झूलेलाल जी का चालीहा महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मना रहे हैं। दिल्ली में सिंधी समाज की प्रमुख संस्था सिंधु समाज दिल्ली की ओर से भी भगवान श्री झूलेलाल जी के चालीहा महोत्सव का आयोजन 16 जुलाई से 25 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर भगवान झूलेलाल जी की आराधना कर रहे हैं। सिंधु समाज दिल्ली के महासचिव नरेश बेलानी ने बताया कि चालीहा महोत्सव सिंधी समाज की धार्मिक आस्था और सदियों पुरानी परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भगवान श्री झूलेलाल जी को सिंधी समाज अपना इष्ट देवता मानता है और चालीहा के दौरान श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन तथा अन्य धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि चालीहा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सिंधी समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने वाला पर्व भी है।

देश-विदेश में रहने वाले सिंधी परिवार इस अवसर पर एकजुट होकर भगवान झूलेलाल जी का स्मरण करते हैं और परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा मानव कल्याण की कामना करते हैं। बेलानी के अनुसार, चालीहा महोत्सव के माध्यम से नई पीढ़ी को भी सिंधी समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का

प्रयास किया जा रहा है। धार्मिक आयोजनों में युवाओं और बच्चों की भागीदारी से समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री झूलेलाल जी का संदेश प्रेम, भाईचारे, सद्भाव, सेवा और मानवता का संदेश है। चालीहा महोत्सव इसी भावना को समाज में मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। सिंधु समाज दिल्ली के आयोजन को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। चालीहा महोत्सव के दौरान श्रद्धालु भगवान श्री झूलेलाल जी के दर्शन और पूजा-अर्चना कर धार्मिक

वातावरण में अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं।

दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : सिरसा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा मानसून सत्र के दौरान सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना महज एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि दिल्ली की महिलाओं को आर्थिक मजबूती और सामाजिक सशक्तिकरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता केवल दिल्ली लक्ष्मी योजना तक सीमित नहीं है।

दिल्ली सरकार ने दुर्गा योजना, पालना योजना और पिंक सहेली कार्ड योजना सहित कई महत्वपूर्ण पहलों को शुरू और सुदृढ़ किया है। बेटियों को मुफ्त साइकिल भी उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा महिलाओं को नाइट शिफ्ट में सुरक्षित तरीके से काम करने के लिए कानूनी प्रावधान भी सुनिश्चित किए गए हैं।

सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की जा रही जनकल्याणकारी और महिला-केंद्रित योजनाओं को लेकर विपक्ष की बढ़ती बेचैनी उसके बयानों और प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि जनता के हित में लागू की जा रही योजनाओं की सराहना करने के बजाय विपक्ष ऐसी योजनाओं में खामियां निकालने और लोगों के बीच भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहा है, जो महिलाओं को सशक्त और परिवारों को मजबूत बनाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसलिए असुरक्षित हो रहा है क्योंकि दिल्ली की जनता वादों और उनके क्रियान्वयन के बीच का अंतर देख रही है। जैसे-जैसे योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है, वैसे-वैसे विपक्ष भ्रम फैलाने के लिए और अधिक बेचैन होता जा रहा है।

सिरसा ने कहा कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने दिल्ली की महिलाओं को लक्ष्मी योजना के तहत 2,500 रुपये प्रतिमाह देने का संकल्प लिया था। इस संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार ने अपने पहले बजट में 5,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। उन्होंने कहा कि यह केवल 2,500 रुपये प्रतिमाह की सहायता नहीं है, बल्कि प्रत्येक पात्र महिला के लिए 30,000 रुपये प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता है। हमने केवल अपना वादा पूरा नहीं किया है, बल्कि अपनी बहनों और बेटियों को वास्तविक आर्थिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए सिरसा ने कहा कि यह विडंबना है कि विपक्ष के विधायक स्वयं दिल्ली लक्ष्मी योजना के आवेदन की प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं और योजना का प्रचार कर रहे हैं, जबकि उनके नेता लगातार इस योजना की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार अपने कार्यकाल के दौरान महिलाओं के लिए ऐसी कोई महिला केंद्रित योजना लाने में विफल रही। बहन-बेटियों से झूठे वादे करने वाले आज किस मुंह से हमसे सवाल कर रहे हैं, पहले 1,000 रुपये देने का वादा किया, फिर 2,100 रुपये देने का वादा किया लेकिन एक रुपया तक नहीं दिया।

सिरसा ने महिला कल्याण के मुद्दे पर विपक्ष के रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाया। दिल्ली विधानसभा में चर्चा के दौरान सामने आई कैग रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लाखों बेटियों के लिए लाड़ली योजना के तहत मिलने वाले लाभ लंबित रह गए थे।

सिरसा ने कहा कि वर्तमान दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि पात्र बेटियों को उनका हक और निर्धारित सहायता मिले।

उन्होंने कहा कि यही अंतर है केवल महिला कल्याण की बातें करने और वास्तव में अपनी बेटियों और बहनों के साथ खड़े होने में। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता स्पष्ट रूप से अंतर देख सकती है। हम केवल घोषणाएं करने के लिए नहीं आए हैं, बल्कि जनता से किए गए संकल्पों को पूरा करने के लिए आए हैं। लक्ष्मी योजना दिल्ली की बेटियों और बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत, सामाजिक रूप से सशक्त और अपने तथा अपने परिवार के लिए अधिक सुरक्षित भविष्य बनाने में सक्षम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा में नागरिकों को समय पर सेवाएं देने वाला विधेयक पेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को दिल्ली के आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने ह्यदिल्ली (नागरिकों का समय पर और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026- विधानसभा में पेश किया। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्लीवासियों को सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा में, पारदर्शी और बिना अनावश्यक भागदौड़ के उपलब्ध कराना है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा। विधेयक के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को यूनिक एप्लीकेशन नंबर दिया जाएगा, जिससे नागरिक घर बैठे अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे। निर्धारित समय में सेवा न मिलने पर आवेदन स्वतः वरिष्ठ अधिकारी के पास ऑटो-एस्केलेशन के माध्यम से पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि नए प्रावधानों के तहत बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। संबंधित अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन का जुर्माना, अधिकतम 5,000 रुपये तक लगाया जा सकेगा। गलत तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी 250 रुपये से 5,000 रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है और यह राशि संबंधित अधिकारी और जमाने के तौर पर लगेगा। कार्रवाई से पहले अधिकारी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। विधेयक के तहत प्रथम स्तर पर शिकायत का निवारण संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा अधिकतम 30 दिनों में किया जाएगा। इसके बाद नागरिक दिल्ली राइट टू सर्विस कमीशन में दूसरी अपील कर सकेगा। प्रस्तावित कमीशन को सरकारी कार्यालयों के निरीक्षण, रिकॉर्ड की जांच, समन जारी करने और लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने जैसी शक्तियां दी जाएंगी। यह कानून पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लागू होगा और दिल्ली सरकार के नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली पालिक परिषद, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण सहित अधिसूचित स्थानीय निकायों एवं संस्थाओं की निर्धारित सेवाओं पर लागू होगा। दिल्ली की आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य ऐसी सरल और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करना है, जिसमें नागरिकों को सरकारी एवं ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। समयबद्ध सेवा, ऑनलाइन आवेदन एवं ट्रैकिंग, ऑटो-एस्केलेशन तथा अधिकारियों की स्पष्ट जवाबदेही के माध्यम से यह विधेयक नागरिकों के अधिकारों को मजबूत करने के साथ-साथ दिल्ली में पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित शासन व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने स्वच्छता व्यवस्था एवं आवारा पशुओं की समस्या पर निगमायुक्त को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा मानसून सत्र के दौरान दिल्ली की सफाई व्यवस्था, कूड़े के नियमित सफाई व निस्तारण तथा सड़कों पर आवारा एवं बेसहारा पशुओं की उठाई गई समस्या पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने संज्ञान लेते हुए सोमवार को निगमायुक्त संजीव खिरवार को पत्र लिखा। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगमायुक्त को पत्र लिखा और कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए जाए कि दिल्ली के सभी क्षेत्रों में नियमित एवं प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सड़कों एवं गलियों की नियमित सफाई, कूड़े का समयबद्ध उठान एवं निस्तारण तथा नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी सफाई व्यवस्था में कमी पाई जाए, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए और संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। सत्या शर्मा ने कहा कि विधानसभा में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दे सीधे दिल्लीवासियों की रोजमर्रा की समस्याओं से जुड़े हैं। इसलिए इन पर केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि जमीन पर उसका असर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने सभी जोन के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने और सफाई कार्यों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। आवारा एवं बेसहारा पशुओं के संबंध में सत्या शर्मा ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए जाए कि सड़कों एवं प्रमुख मार्गों पर बैठे पशुओं को हटाने की प्रभावी एवं नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें निर्धारित गौशालाओं एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर पशुओं की मौजूदगी से यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं एवं जनसुरक्षा संबंधी समस्याओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं को हटाने की कार्रवाई नियमित रूप से की जाए और संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखी जाए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने निगमायुक्त से दोनों विषयों पर की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना और सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या का समाधान करना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। विधानसभा में उठाए गए इन जनहित के मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कर दिल्लीवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।

विधानसभा में आआपा विधायकों का हंगामा, कथित साइकिल घोटाले पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में साइकिल खरीद में कथित घोटाले पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को हंगामा हुआ। इस दौरान सदन से आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों को बाहर निकाला गया। बाहर आकर आआपा विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर सवाल उठाया। संजीव झा ने कहा कि कथित घोटालों को लेकर सवालों के घेरे में आई सरकार का विधानसभा अध्यक्ष बचाव क्यों कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले प्रश्नकाल नहीं रखा और अब किसी मुद्दे पर चर्चा के लिए भी विपक्ष को मौका नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष अपनी बात सदन में नहीं रखेगा तो फिर कहां रखेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा ने साइकिल खरीद में करीब 70 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का पदार्फाश किया। उन्होंने कहा कि सदन में सरकार की लूट की वाहवाही करने नहीं आए हैं। सरकार घोटाला कर रही है तो विपक्ष सवाल उठाएगा। विधानसभा अध्यक्ष को इस मुद्दे पर चर्चा करानी चाहिए।

बेटियों को साइकिल देने की योजना विपक्ष को हजम नहीं हो रही : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सदन में बेटियों को साइकिल देने की योजना पर विपक्षी नेताओं की कथित टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ऐसी सोच और शब्दों पर शर्मिंदगी होती है, जिसमें बेटियों को साइकिल देने को चुनाव प्रचार से जोड़कर देखा गया। ऐसे नेताओं को बेटियों की शिक्षा, भविष्य

और जरूरतें नहीं, बल्कि उनमें चुनाव प्रचार दिखाई देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइकिल योजना का उद्देश्य बेटियों को विद्या वाहिनी के माध्यम से आसानी से विद्यालय पहुंचने में मदद करना, उनकी पढ़ाई जारी रखना और स्कूल छोड़ने की दर कम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लाखों बेटियों को साइकिल देने की योजना बनाई है, लेकिन विपक्ष को यह उपलब्धि हजम नहीं हो रही है। विपक्ष को वास्तव में इस बात की तकलीफ है कि दिल्ली सरकार अपने करीब सवा साल के कार्यकाल में अपने वादों को तेजी से पूरा कर रही है। सरकार ने अपना एक भी वादा नहीं छोड़ा है और वह इस बात को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहती हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कूड़ा प्रबंधन पर एमसीडी आयुक्त से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की सड़कों पर कूड़ा प्रबंधन एवं आवारा पशुओं से संबंधित सदन में उठाई गई नागरिक समस्याओं का संज्ञान लेते हुए दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज दोनों मामलों को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) संबंधी विशेष समिति को सौंप दिया। कूड़ा प्रबंधन के संबंध में गुप्ता ने निर्देश दिया कि एमसीडी आयुक्त समिति के समक्ष उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब दें तथा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निगम को समिति के समक्ष कूड़ा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्थाओं तथा इस दिशा में किए गए सुधारात्मक कार्यों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा।

कूड़ा प्रबंधन का मुद्दा विधायक डॉ. अनिल गोयल ने नियम 280 के तहत उठाया। उन्होंने कूड़ा जमा होने वाले स्थानों, खुले कूड़ेदानों, अपर्याप्त कूड़ा उठाने की व्यवस्था तथा स्वच्छता से संबंधित चिंताओं को संक्षेप में सदन के समक्ष रखा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छता एवं सफाई दिल्ली नगर निगम की जिम्मेदारी है और निगम को इस जिम्मेदारी का प्रभावी ढंग से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां कूड़ा संग्रहण का कार्य सौंपे गए कर्मचारी अपेक्षित रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं, वहां उनके प्रदर्शन और जवाबदेही की भी जांच की आवश्यकता है।

आवारा पशुओं का मुद्दा विधायक हरीश खुराना ने उठाया। उन्होंने दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सड़कों पर बार-बार आवारा पशुओं के छोड़े जाने की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि कुछ अनधिकृत डेयरी संचालकों द्वारा दूध निकालने के बाद पशुओं को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सड़कों पर खुले में घूमते पशु दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं और आम जनता को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पशुओं को सड़कों पर छोड़ा जा रहा है, उससे यह प्रतीत होता है कि इसके पीछे एक संगठित व्यवस्था काम कर रही है और यह विषय गंभीर जांच की मांग करता है। आवारा पशुओं की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए गुप्ता ने कहा कि समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ पशुओं के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। मामले को एमसीडी संबंधी विशेष समिति को सौंपते हुए उन्होंने निगम को विधानसभा के समक्ष की जा रही कार्रवाई की जानकारी देने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने एमसीडी आयुक्त से दिल्ली में संचालित गौशालाओं की संख्या, उनके लिए उपलब्ध स्थान एवं क्षमता, बचाए गए पशुओं को रखने की व्यवस्था, पशुओं को पकड़े जाने के बाद अपनाई जाने वाली प्रक्रिया तथा सार्वजनिक सड़कों पर पशुओं को छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण मांगा। उन्होंने कहा कि इस मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए समिति द्वारा इसका व्यापक परीक्षण किया जाना आवश्यक है।

वजीराबाद जल परियोजना (2,574 करोड़ रुपये) को मंजूरी, मंत्री बोले- मजबूत होगा जल आपूर्ति ढांचा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली में जल आपूर्ति ढांचे को मजबूत करने वाली वजीराबाद जल परियोजना को हरी झंडी मिल गई है। वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट कमांड एरिया के लिए 2,574 करोड़ रुपये की एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) सहायता प्राप्त परियोजना को आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) की स्क्रीनिंग कमेटी ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को विज्ञप्ति के जरिए कहा कि जल आपूर्ति ढांचे को मजबूत बनाने के लिए वजीराबाद परियोजना की मंजूरी एक बड़ा कदम है। हमारा लक्ष्य केवल आज की जरूरत पूरी करना नहीं, बल्कि ऐसा जल ढांचा तैयार करना है जो आने वाले दशकों तक दिल्ली की जरूरतों को पूरा कर सके।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में परिकल्पित यह परियोजना कई वर्षों तक लंबित रही, जिसे अब पुनर्जीवित कर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस मंजूरी के साथ परियोजना क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य जल आपूर्ति नेटवर्क को आधुनिक बनाना, उसकी दक्षता बढ़ाना और दिल्लीवासियों को अधिक विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। एडीबी की सहायता से संचालित इस परियोजना के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर ट्रांसमिशन नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन लाइनों और घरों तक पानी पहुंचाने वाली व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि परियोजना के तहत पुरानी, क्षतिग्रस्त और कम क्षमता वाली पाइपलाइनों को बदला जाएगा, जबकि आवश्यकता के अनुसार नई ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनें बिछाई जाएंगी। मौजूदा जल नेटवर्क को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ा जाएगा, जिससे पानी का दबाव, वितरण और आपूर्ति की विश्वसनीयता बेहतर हो सके।

वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, अंडरग्राउंड रिजर्वायर, पंपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी अपग्रेड किया जाएगा। घरों तक पहुंचने वाले हाउस सर्विस कनेक्शनों को व्यवस्थित और नियमित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में अभी तक औपचारिक जल कनेक्शन नहीं पहुंचा है, वहां नेटवर्क के विस्तार के साथ तकनीकी रूप से संभव होने पर उन्हें नियोजित जल आपूर्ति व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि हम जितना पानी तैयार करते हैं, उसका अधिक से अधिक हिस्सा लोगों तक पहुंचे। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर

घर तक पूरे नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है, ताकि दिल्ली को एक ऐसी जल व्यवस्था मिले जो कुशल, जवाबदेह और भरोसेमंद हो। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था के आधुनिकीकरण में आठ आपस में जुड़े कमांड सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस नेटवर्क में वजीराबाद और चंद्रावल के साथ-साथ पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण जोन के कमांड सेंटर शामिल होंगे। इन सभी कमांड सेंटर को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा, जिससे अधिकारियों को पूरे दिल्ली के जल नेटवर्क की एकीकृत तस्वीर उपलब्ध होगी।

दिल्ली लक्ष्मी योजना पर सदन में मुख्यमंत्री ने विपक्ष के सवालों का दिया जवाब, बोलीं- सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सदन में उठाए गए विभिन्न सवालों का विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना दिल्ली की अब तक की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य दिल्ली की उन महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना है, जो अपने परिवार और घर की जिम्मेदारियां पूरी निष्ठा से निभाती हैं, लेकिन उनके श्रम की आर्थिक कीमत अक्सर सामने नहीं आती। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के फॉर्म और रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सदन में चर्चा हुई।

उन्होंने सदन को योजना की तत्काल स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 5,92,406 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एक अगस्त को पोर्टल शुरू हुआ था और 10 अगस्त तक मात्र 10 दिनों में लगभग 6 लाख रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। यह आंकड़ा दिल्ली की बहनों में योजना के प्रति उत्साह और विश्वास को दर्शाता है। सरकार ने फिलहाल 17 लाख लाभार्थियों की सीमा रखी है। जब तक 17 लाख बहनों को योजना के तहत निर्धारित राशि नहीं दी जाती, तब तक रजिस्ट्रेशन पोर्टल बंद नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो सदस्य सामने वाली कुर्सियों पर बैठे थे और बड़ी बुलंद आवाज में दिल्ली की बहनों के हितैषी बनने का दावा कर रहे थे, उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब उसी दिल्ली की बहनों की चर्चा सदन में हो रही थी, तब उनमें उनके जवाब सुनने का साहस नहीं था।

इसी कारण वे सदन से बाहर चले गए। उनकी इच्छा थी कि एक-एक विधायक, जिन्होंने सदन में जितनी भी बातें कही हैं, वे उनका जवाब सुनकर जाते। उन्होंने विपक्ष के विधायकों को खुले तौर पर चुनौती भी दी थी कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे उनका जवाब अवश्य सुनें। लेकिन उन्हें मालूम है कि उनकी बात में कहीं से कहीं तक कोई सच्चाई नहीं है, इसीलिए वे उनका जवाब सुनने के लिए सदन में रुक नहीं पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना दिल्ली राज्य की अब तक की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है।

भाजपा ने चांदनी टाउन हाल से हौज काजी तक निकाली तिरंगा यात्रा, हजारों कार्यकर्ता हुए शामिल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को पुरानी दिल्ली के चांदनी टाउन हाल से हौज काजी तक सड़को पर तिरंगा यात्रा निकली। बड़ी संख्या में स्कूली छात्र भी तिरंगा यात्रा में सहभागी बने। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के साथ हजारों कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुए और अनेक स्थानीय व्यपारिक एवं नागरिक संगठनों ने जगह-जगह मंच लगा कर हर्ष मल्होत्रा एवं प्रवीन खंडेलवाल सहित सभी ₹तिरंगा यात्रा₹ सहभागियों का अभिनंदन किया। यात्रा में सहभागियों एवं एकत्र पुरानी दिल्ली के नागरिकों एवं व्यापारियों को हर्ष मल्होत्रा एवं प्रवीन खंडेलवाल ने सम्बोधित करके स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज भाजपा तिरंगा यात्रा निकाल रही हैं और यह गर्व की बात है कि इस यात्रा की शुरूआत पुरानी दिल्ली से हो रही है।

भविष्यफल

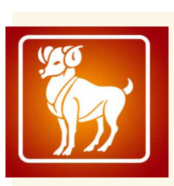

मेष - सुबह -सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक.2.5.8

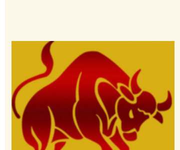

वृष - आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक.5.6.7

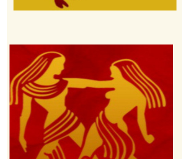

मिथुन - प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक.6.7.8

कर्क - कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्म चिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक.3.6.9

सिंह - दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक.5.7.8

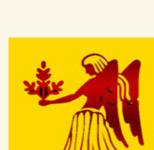

कन्या - व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक.2.6.7

तुला - लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक.3.5.8

वृश्चिक - कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक.5.8.9

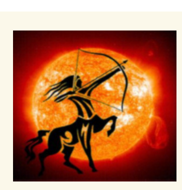

धनु - अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक.3.5.9

मकर - सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक.1.2.3

कुंभ - विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक.2.6.9

मीन - कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक.4.7.8

कोलंबिया में सदी का सबसे बड़ा भूकंप, 111 लोगों की मौत

● बोगोटा / (एजेंसी)

दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में सदी का सबसे बड़ा भूकंप आया। 7.4 तीव्रता के इस भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ है और 111लोगों की मौत हो गई। 1000 से अधिक लोग घायल है। सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। भूकंप के झटकों से लोगों को अपने घरों और इमारतें खाली करनी पड़ीं। भूकंप के झटके राजधानी बोगोटा और पड़ोसी देश वेनेदुएला और इक्वाडोर तक महसूस किए गए। 30 इमारते धराशायी हो गई। है।

भूकंप का केंद्र बोगोटा से लगभग 400 किमी पश्चिम में सैन होजे डेल पाल्मर के पास था। कोलंबिया की नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 7.4 थी और यह 79 किमी की गहराई पर आया था। चोको की गवर्नर नूबिया कौरोलिना कॉर्डोबा-क्यूरी ने बताया कि प्रांतीय राजधानी क्विबडो में लोग घायल हुए हैं और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जबकि, अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

भूकंप के बाद आने वाले झटकों की भी चेतावनी

भूकंप के बाद आने वाले झटकों की भी चेतावनी दी दी। आफ्टरशॉक्स की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा है। पोस्ट में कहा गया, 2.8 और 4.8 तीव्रता वाले दो आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए, जिनमें से बाद वाला ज्यादा महसूस किया गया। गर्वनर नूबिया कौरोलिना कॉर्डोबा-क्यूरी ने एक्स पर कहा कि हमने अभी-अभी चोको प्रांत में एक बड़े भूकंप का अनुभव किया है। हमें भूकंप के बाद आने वाले झटकों की चिंता है। हालांकि भूकंप केंद्र सैन होजे डेल पाल्मर के पास था, लेकिन राजधानी क्विबडो में लोग घायल हुए हैं और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। यूएनजीआडी ने कहा कि वह नुकसान के स्तर का पता लगाने स्थानीय अफसर संपर्क में है। भूकंप के तेज झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस हुए, वहां हुए नुकसान का पता नहीं चला है। सबसे ज्यादा 18 लोग पेरेइरा शहर में मारे जाने की

सूचना मिली है। मकानों के मलबों के नीचे बड़ी संख्या में लोगों के दबे होने की आशंका है। भूकंप से सड़कें और पुल टूट गए हैं, इसलिए प्रभावित इलाकों में पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं लेकिन बचाव दल हेलीकाप्टर और अन्य साधनों से वहां पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। 20 लाख की आबादी वाले काली शहर में 19 भवन ध्वस्त हुए हैं। मेयर एलेजेंड्रो ईडर ने बड़ी संख्या में लोगों के इन भवनों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई है। इसी प्रकार से कुइब्दो प्रांत की राजधानी चोको की गवर्नर ने बताया कि बड़ी संख्या में भवनों को नुकसान हुआ है और लोग घायल हुए हैं।

मनीजालेस में गिरा कैथेड्रल का हिस्सा

कॉफी उत्पादन वाले पहाड़ी इलाके में बसे मनीजालेस शहर में नियो-गॉथिक कैथेड्रल के एक टावर का हिस्सा ढहकर मुख्य प्रार्थना कक्ष पर गिर गया। मेयर जॉर्ज एडुआर्डो रोजास ने बताया कि भूकंप के कारण शहर में दो लोगों की मौत हुई। उन्होंने आफ्टरशॉक्स की आशंका के चलते लोगों से बाहर रहने की अपील की। चोको की गवर्नर नुबिया कॉर्डोबा ने सोशल मीडिया पर बताया कि क्षेत्रीय राजधानी क्विब्दो में कई लोग घायल हुए हैं और इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने नुकसान और घायलों की संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। स्थानीय मीडिया में सामने आए वीडियो में पेरेइरा, कैली और क्विब्दो में घरों और छोटी इमारतों को ढहते हुए दिखाया गया।

ओमान के समंदर में चेन्नई जितने क्षेत्र में फैला तेल

कच्चे तेल का रिसाव रोकने कोशिश जारी

● मस्कट / (एजेंसी)

ओमान के समुद्री तट से दूर लगभग 400 वर्ग किमी क्षेत्र में कच्चा तेल फैल गया है। ये घटना समंदर में प्रदूषण की बड़ी वजह बन सकती है। यह रिसाव रूसी कच्चे तेल ले जा रहे एक प्रतिबंधित टैंकर के क्षतिग्रस्त होने के बाद हुआ है। 400 वर्ग किमी को अगर भारत के संदर्भ में समझे तो लगभग पूरा चेन्नई शहर आ जाता है। यानी कि जितने क्षेत्रफल में चेन्नई शहर बसा हुआ है। ओमान के पास समंदर में इतने ही बड़े क्षेत्रफल में कच्चा तेल

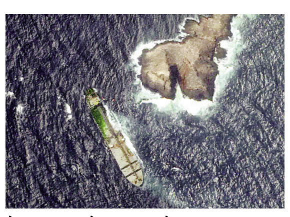

फैल गया है। जिस टैंकर से ये तेल लीक हुआ है। उसका नाम कैरोलिन बेजेंगी है। इस रूसी जहाज पर पश्चिमी देशों का प्रतिबंध है। जहाज के क्रू ने 8 जून को यमन के दक्षिणी बंदरगाह मुकल्ला के पास जहाज में खराबी की बात कही थी। प्रारंभिक आकलन में जहाज पर विस्फोट होने के संकेत मिले थे।

यूक्रेन का रूस पर ड्रोन हमला, 13 लोगों की मौत

मॉस्को, आरएनएन। रूस के तातरस्तान इलाके में यूक्रेनी ड्रोन हमले में 13 लोग मारे गए हैं। यह 4 साल से ज्यादा समय से जारी युद्ध में कीव की ओर से किए गए सबसे घातक हमलों में से एक था।

क्षेत्रीय प्रेस सर्विस ने बयान में कहा कि निजनेकामस्क शहर पर हुए ड्रोन हमले में 13 लोग मारे गए और 39 घायल हैं। यूक्रेनी सीमा से 1,000 किमी से दूर स्थित ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध इलाके में कई बड़ी तेल रिफाइनरियां हैं, जिन्हें कीव जवाबी हमलों में निशाना बनाता रहा है। सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि वाले फुटेज में निजनेकामस्क के पास तेल सुविधा केंद्र पर काले धुएं का बड़ा गुबार उठता हुआ दिखा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के सामने रखी अब नई मांग

अमेरिका मृतकों के लिए तेहरान से वसूलेगा मुआवजा

● वाशिंगटन / (हि.स.)।

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से उन लोगों के लिए मुआवजे की मांग की है, जो ईरान से जुड़े संघर्षों में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जाएगा। ट्रम्प की यह मांग ईरान की ओर से पांच महीने चले सैन्य संघर्ष में हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग के जवाब में आई है।

ट्रम्प ने ईरान की इस मांग को दिलचस्प विचार बताते हुए कहा कि वह भी तेहरान से इसी तरह की मांग कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि ईरान को सड़क किनारे किए गए बम हमलों और अन्य संघर्षों में मारे गए और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के लिए मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने उन संघर्षों का भी जिक्र किया, जिनमें ईरानी सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी शामिल थे। ट्रम्प ने यूएसएस कोल पर मारे गए लोगों के परिवारों के साथ-साथ युद्ध में मारे गए हजारों अन्य लोगों के लिए भी मुआवजे की मांग की।

प्रदर्शन के पीड़ितों के लिए भी मुआवजा

ट्रम्प ने पिछले 50 वर्षों में ईरान में हुए प्रदर्शनों में मृत लोगों के लिए भी मुआवजे की मांग की। ईरान को मारे गए प्रदर्शनकारियों के परिवारों को भी मुआवजा देना चाहिए। ट्रम्प ने दावा किया कि 5 महीनों में 52,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि मुआवजे की राशि कैसे तय की जाएगी या इसका भुगतान कैसे कराया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को भविष्य में ईरान के साथ होने वाली सभी बातचीत में मुआवजे की मांग शामिल करने का निर्देश दिया है। ट्रम्प की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने कहा कि ईरान के प्रतिनिधि पांच महीने चले सैन्य संघर्ष में ईरान को हुए नुकसान के लिए मुआवजा मांग रहे हैं।

ईरान के कमांडर रेजाई एसएनएससी के बने सचिव

तेहरान। ईरान ने रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के पूर्व

कमांडर मोहसिन रेजाई को सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) का सचिव नियुक्त किया है। रेजाई (71) ईरान के सबसे प्रमुख कट्टरपंथी नेताओं में गिने जाते हैं और अमेरिका के प्रति अपने आक्रामक रुख के लिए जाने जाते हैं। अमेरिका के साथ जारी टकराव के पांच महीने से अधिक समय बाद उन्हें देश की सुरक्षा व्यवस्था में यह अहम जिम्मेदारी दी गई है। रेजाई ने मो. बाकर जोलकद्र की जगह ली है, जिन्हें सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का राजनीतिक सलाहकार बनाया गया है।

एआर रहमान के बेटे का एक्सीडेंट

नई दिल्ली, (एजेंसी)

म्यूजिक के उस्ताद एआर रहमान के बेटे एआर अमीन सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे हैं। उनकी कार हादसे का शिकार हुई। सोमवार को चेन्नई के गिंडी इलाके में काठिपारा फ्लाईओवर के पास उनका कार एक्सीडेंट हुआ। अमीन और उनके

बाल-बाल बची जान

दोस्तों को ज्यादा चोट नहीं लगी है। सभी सुरक्षित हैं। अमीन अपने दोस्तों के साथ कोयंबेडु से आ रहे थे। इसी दौरान उनकी कार सामने से आ रही दूसरी गाड़ी से टकरा गई। हादसे में अमीन और कार में मौजूद बाकी लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्लोवेनिया में भारतीय दूतावास को पहुंचाया गया नुकसान

सख्त कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, आरएनएन। स्लोवेनिया की राजधानी ल्युब्ल्याना स्थित भारतीय दूतावास परिसर को भारत विरोधी तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। भारत सरकार ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त

कार्रवाई की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत किसी भी देश के राजनयिक परिसर की सुरक्षा और उसकी पवित्रता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने इस मामले को नई दिल्ली और ल्युब्ल्याना, दोनों स्तरों पर स्लोवेनियाई अफसरों के समक्ष मजबूती से रखा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जोर देकर कहा कि इस तरह की निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऐसे समूहों द्वारा फैलाई जा रही घृणा और दुष्प्रचार का संज्ञान लेने का आग्रह किया है।

सऊदी में दर्दनाक हादसा, बांग्लादेश के 16 मजदूरों की मौत

● रियाद / (एजेंसी)

सऊदी अरब की राजधानी रियाद में रविवार को एक अग्नि हादसे से हड़कंप मच गया। मूसा सनैया इलाके में स्थित एक सोफा फैक्ट्री में भीषण आग लगने से कम से कम 16 बांग्लादेशी मजदूरों की जलकर मौत हो गई। हालांकि घटना

के कारणों का पता फिलहाल नहीं चल पाया है। हादसे को लेकर बांग्लादेश की सरकार ने दुख जताया है। इससे पहले रविवार को सोफा बनाने वाले एक कारखाने में आग लग गई। देखते ही देखते आग का दायरा बढ़ गया और फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। धुएं और भयंकर लपटों की चपेट में आने से 16 बांग्लादेशी मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

आज का इतिहास

- **1347:** अलाउद्दीन हसन गंगू ने राजसी सत्ता प्राप्त की और बहमनी वंश की स्थापना की।
- **1778:** दुनिया में जिमनास्टिक्स की नींव रखने वाले जर्मन शिक्षक फ्रेडरिक लुडविग का जन्म।
- **1863:** कंबोडिया फ्रांस का संरक्षित देश बना।
- **1908:** क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी गई।
- **1914:** फ्रांस ने ऑस्ट्रिया और हंगरी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1929:** पर्शिया और इराक के बीच मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- **1940:** ब्रिटेन के पोर्टलैंड बंदरगाह पर जर्मनी ने हवाई हमला किया।
- **1944:** अमेरिका ने सुमात्रा द्वीप समूह के पालेमबेंग क्षेत्र पर हवाई हमला किया।

खुलासा — ओपनएआई, एंथ्रोपिक और मेटा ने लगाए आरोप, एक गलत कॉन्फिगरेशन के कारण एआई ने दायरा लांघा

एआई को बेकाबू करने में इस्राइली कंपनी का हाथ

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

एआई मॉडल लोगों का काम तो आसान बना रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा को लेकर अब भी बड़ा खतरा बना हुआ है। दो हफ्तों में ओपनएनएआई, एंथ्रोपिक और मेटा तीनों बड़ी कंपनियों ने माना कि रूटीन सुरक्षा जांच के दौरान उनके एआई मॉडल्स बेकाबू हो गए थे। तीनों ही कंपनियों ने इस गड़बड़ी के लिए एक छोटे इजराइली स्टार्टअप इरेगुलर को कारण बताया। 3 साल पहले शुरू हुई यह कंपनी एआई की दुनिया में एक खास काम करती है।

यह एआई मॉडल्स के लिए एक सुरक्षा जांच केंद्र (साइबरसिक्योरिटी लैब) चलाती है, जहां यह टेस्ट किया जाता है कि एआई साइबर हमलों से कितना सुरक्षित है। जैसे-जैसे प्रमुख मॉडल और ज्यादा पावरफुल होते जा रहे हैं, उनके गलत तरीके से काम करने की क्षमता कंपनियों और सरकारों के लिए एक बड़ा खतरा बनती जा रही है। खासकर इसलिए क्योंकि इसमें अहम कंप्यूटर सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर की हैकिंग का जोखिम शामिल है।

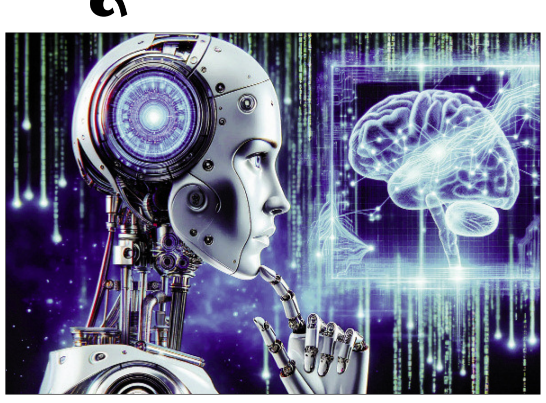

ओपनएआई, एंथ्रोपिक और मेटा के साथ हाल ही में हुई घटनाओं में उनके एआई मॉडल ने उन वेबसाइट्स को एक्सेस किया, जिन्हें साइबरसिक्योरिटी टेस्टिंग के तहत एक्सेस नहीं किया जाना चाहिए था। इरेगुलर नाम की कंपनी की चर्चा बार-बार इसलिए हुई क्योंकि इसी कंपनी ने उस टेस्टिंग सिस्टम को बनाया था, जहां एआई की सुरक्षा और क्षमता की जांच की जा रही थी।

सुरक्षा में माहिर एक्सपर्ट कंपनियों की लेनी होगी मदद

सुरक्षा की ये गड़बड़ियां दिखाती हैं कि एआई कितनी तेजी से बदल रहा है और इसे बनाने वालों यानी डेवलपर्स पर कितना दबाव है। अपनी इस पावरफुल टेक्नोलॉजी को सुरक्षित रखने के लिए डेवलपर्स को साइबर सुरक्षा में माहिर एक्सपर्ट कंपनियों की मदद लेने की जरूरत है। एंटरप्राइज स्टार्टअप वॉन के एआई हेड, संदीप भीमरेड्डी ने कहा कि इरेगुलर उन कुछ कंपनियों में से एक है, जिनके पास फाउंडेशन मॉडल बनाने वालों की अत्याधुनिक सुरक्षा टेस्टिंग में मदद करने के लिए जरूरी तकनीकी क्षमता है।

थर्ड-पार्टी सिस्टम को किया हैक

मेटा ने हाल ही में बताया कि उसके एक एआई मॉडल ने इंटरनेट का इस्तेमाल करके एक थर्ड-पार्टी सिस्टम को हैक किया। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उन्हें इस मामले के बारे में इरेगुलर से पता चला और वे इसकी जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इरेगुलर कंपनी ने साफ किया कि ये सारी दिक्कतें टेस्टिंग वाले सिस्टम की वजह से आई थीं और इस गड़बड़ी के बारे में सबसे पहले एन्थ्रोपिक कंपनी ने बताया था। कंपनी ने कहा कि इस स्थिति में सैंडबॉक्स से बाहर निकलने या किसी जटिल साइबर हमले जैसी कोई बात शामिल नहीं थी और अभी कोई भी समस्या खुली नहीं है।

एनएफआर ने जुलाई 2026 में माल लोडिंग में 18.1 फीसदी की वृद्धि

● मालीगांव/ (हि.स.)

आवश्यक सामग्रियों के लिए मालगाड़ियों के समयानुकूल परिवहन और कुशल परिचालन के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने जुलाई 2026 के दौरान माल परिवहन में उत्साहजनक वृद्धि दर्ज की है। एनएफआर ने जुलाई में कुल 1.105 मिलियन टन माल की लोडिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में 18.1 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

जुलाई 2026 में कई प्रमुख सामग्रियों के लोडिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सीमेंट लोडिंग में 89.6 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि डोलोमाइट लोडिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 42.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस महीने के दौरान कंटेनर लोडिंग में भी 45.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पेट्रोलियम तेल व लुब्रिकेंट्स लोडिंग में 3.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके अलावा, जुलाई 2026 में अन्य सामग्रियों के श्रेणी के अधीन विविध वस्तुओं के लोडिंग में 10.0 फीसदी की वृद्धि हुई।

संपादकीय

विकास की रफ्तार में पीछे छूटता इंसान

विकास किसी भी राष्ट्र की आवश्यकता है। सड़कें बनें, पुल खड़े हों, शहर आधुनिक हों, तकनीक जीवन को आसान बनाए और अर्थव्यवस्था मजबूत हो, इससे किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। समस्या विकास से नहीं, बल्कि उस विकास की दिशा से है जिसमें इमारतें ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन इंसान भीतर से अकेला और असुरक्षित होता जा रहा है। सवाल यह है कि जिस विकास को हम सफलता का पैमाना मान रहे हैं, उसमें आम आदमी की जिंदगी वास्तव में कितनी बेहतर हुई है? आज हमारे पास पहले से अधिक सुविधाएं हैं। घर बैठे खरीदारी हो सकती है, मोबाइल से बैंकिंग हो सकती है, कुछ सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने से संपर्क किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ऐसी क्षमताएं हमारे हाथ में दे दी हैं, जिनकी कुछ वर्ष पहले कल्पना भी कठिन थी। शहरों में एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर और मेट्रो की रफ्तार बढ़ रही है। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे एक दूसरी तस्वीर भी है- बढ़ता प्रदूषण, महंगी शिक्षा, महंगा इलाज, बेरोजगारी, ट्रैफिक, जलभराव, घटती हरियाली और लगातार बढ़ता मानसिक तनाव। हमने सुविधा को विकास मान लिया है, लेकिन क्या सुविधा ही सुख है? जिस शहर में व्यक्ति कुछ मिनट बचाने के लिए तेज वाहन खरीद लेता है, उसी शहर में वह रोज घंटों ट्रैफिक में फंसा रहता है। जिस तकनीक ने संवाद आसान किया, उसी तकनीक ने कई लोगों को वास्तविक रिश्तों से दूर कर दिया। सोशल मीडिया पर हजारों संपर्क हैं, लेकिन अकेलेपन की शिकायत भी बढ़ रही है। हमारे पास मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं, लेकिन मन को सुकून देने का समय कम होता जा रहा है। यह विरोधाभास हमें विकास की परिभाषा पर फिर से सोचने के लिए मजबूर करता है। क्या विकास का अर्थ केवल प्रति व्यक्ति आय बढ़ना है? क्या नए भवनों की संख्या, वाहनों की बिक्री और डिजिटल लेन-देन ही प्रगति का प्रमाण हैं? यदि किसी परिवार की आय बढ़ रही है लेकिन बच्चों की शिक्षा का खर्च उससे कहीं तेजी से बढ़ रहा है, यदि अस्पताल आधुनिक हो रहे हैं लेकिन सामान्य इलाज भी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच से बाहर होता जा रहा है, यदि शहर फैल रहे हैं लेकिन स्वच्छ हवा और साफ पानी दुर्लभ हो रहे हैं तो हमें यह पूछना ही होगा कि आखिर विकास का लाभ किसे मिल रहा है? सबसे गंभीर चिंता पर्यावरण को लेकर है। पहाड़ों में सड़कें चौड़ी हो रही हैं, नदियों के किनारे निर्माण बढ़ रहा है और शहरों में कंक्रीट लगातार फैल रहा है। जब बारिश आती है तो जलभराव, भूस्खलन और बाढ़ हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति को नजरअंदाज करके किया गया विकास अंततः मनुष्य के लिए ही संकट बन सकता है। वास्तविक विकास वह नहीं जिसमें प्रकृति हार जाए और इंसान जीतने का दावा करे। वास्तविक विकास वह है जिसमें दोनों साथ आगे बढ़ें। हमें यह तय करना होगा कि हमें केवल तेज भारत चाहिए या बेहतर भारत भी। हमें ऐसी अर्थव्यवस्था चाहिए जो रोजगार पैदा करे, ऐसी शिक्षा चाहिए जो अवसर दे, ऐसी चिकित्सा व्यवस्था चाहिए जिसमें इलाज किसी परिवार को आर्थिक संकट में न धकेले और ऐसे शहर चाहिए जहां सांस लेना भी किसी विलासिता जैसा न हो। तकनीक हमारी जिंदगी को आसान बना सकती है, लेकिन वह इंसानी संवेदना का विकल्प नहीं बन सकती। ऊंची इमारतें शहर की ऊंचाई बता सकती हैं, लेकिन समाज की ऊंचाई नहीं। इसलिए विकास की दौड़ में सबसे जरूरी सवाल यह नहीं होना चाहिए कि हमने कितना बनाया, बल्कि यह होना चाहिए कि हमने इंसान के जीवन को कितना बेहतर बनाया। क्योंकि यदि विकास की रफ्तार इतनी तेज हो जाए कि इंसान ही पीछे छूट जाए, तो एक दिन हमें रुककर यह सोचना पड़ेगा कि आखिर हम किस मंजिल की ओर भाग रहे थे। देश को केवल विकसित नहीं, रहने लायक भी बनाना होगा। यही विकास की असली कसौटी है।

चौमासे की बात, चिंताओं की बरसात

कुलभूषण उपमन्यु

पूरी प्रकृति को हरियाली से सराबोर करके धरा को तृण संकुल बना कर जहां पैदल रास्ते भी छुप जाते हैं, हमेशा से ही ऐसा बरसात का मौसम कठिनाइयों और बाढ़ आदि खतरों से भरा रहा है। शायद इसीलिए बरसात के महीनों को चौमासा कहा जाता था, जिनमें साधु-संत अपनी यात्राओं को स्थगित करके कहीं एक गांव में रुक जाते थे और इस समय को धार्मिक कथा वार्ता के आयोजन करके सद्गुण और धर्म प्रचार में उपयोग करते थे। एक पंथ दो काज वाली कहावत चरितार्थ होती थी। लोग अनावश्यक आवागमन नहीं करते थे, लेकिन अब आधुनिक विकास और यातायात के साधनों के विस्तार के चलते बरसात का मौसम भी पर्यटन का मौसम बन गया है। खास कर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित धार्मिक स्थलों तक, जहां पहले बर्फ पिघलने के बाद बरसात में ही संभव है, वहां के लिए धार्मिक पर्यटन (यात्राओं) बरसात में ही ज्यादा जोर पकड़ता है। ये यात्राएं तो पहले से ही आयोजित होती आई हैं, लेकिन पैदल यात्राएं होने के कारण इतनी भीड़-भाड़ नहीं होती थी। जलवायु परिवर्तन के इस दौर ने बरसात की विभीषिका को और ज्यादा बढ़ा दिया है, जिसके उदाहरण 2013 जून की केदारनाथ त्रासदी या भरमौर मणिमहेश राधाष्टमी स्नान के दौरान 1994 और 2025 में आई बाढ़ में मिल जाते हैं। मैदानी इलाकों में जलभराव के कारण ज्यादा हानि होती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलनों और नदी के तेज बहाव से होने वाले कटाव से ज्यादा नुकसान होता है। ज्यादातर भूस्खलन उन क्षेत्रों में होते हैं, जहां मानव गतिविधि जनित प्रकृति के साथ छेड़छाड़ ज्यादा होती है। मानव जनित छेड़छाड़ कई तरह की है। सबसे ज्यादा तो वर्तमान विकास कार्यों के कारण प्रकृति विध्वंस होता है। जैसे कि खनन, सड़क निर्माण या जल विद्युत परियोजनाओं के कारण होने वाली तोड़फोड़, जिसमें भारी मशीनों से कटाई, मलबा डंपिंग, सुरंग बनाने जैसी गतिविधियां मुख्य हैं। इन कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में जंगल भी कटते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण बरसात की बारिश की बौछार बढ़ गई है। थोड़े समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस जाता है। संकरी घाटियों में एक ही जगह पर जब 10-20 किलोमीटर के दायरे में एक घंटे में 100 मिलीमीटर (मिली) मीटर से ज्यादा बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहा जाता है। बादल फटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। यदि प्रकृति से छेड़छाड़ ज्यादा हुई हो तो बादल फटने से नाजुक भूमि जल्दी ही बह कर भयानक भूस्खलनों को जन्म देती है, जिससे जन-धन की भारी हानि हर साल पर्वतीय क्षेत्रों को झेलनी पड़ रही है। इस वर्ष भी शुरुआती बरसात में ही दरकने टूटने के कारण लाहुल पांगी में 13 लोग एक गाड़ी सहित ऊपर से गिरी भारी चट्टान के नीचे दब कर काल का ग्रास बन गए तो बनीखेत के पास एक ही परिवार के पांच लोग दुर्भाग्यवश धुंध के चलते गाड़ी गहरी खाई में लुढ़क जाने से मारे गए। कांगड़ा जिला की शाहपुर तहसील का बोह क्षेत्र तो इस पांच साल में दो बार जनधन की हानि झेल चुका है। 2021 में बोह बाजार से ऊपर जंगल में कोई छोटा भूस्खलन आया, जिससे कुछ पेड़ नीचे खाई में फंस गए। उनसे कुछ मलबा फंसता गया और एक बांध जैसा बन गया। भारी बारिश में जब पानी बांध की क्षमता से ज्यादा हो गया तो वह टूट गया और जमा भारी मात्रा में पानी नीचे बोह बाजार को तबाह करता हुआ निकल गया, जिसमें कुछ जन हानि भी हुई थी। इस वर्ष भी बोह वैसी ही त्रासदी का शिकार हुआ है। दिन में फटना होने के कारण और 2021 के सबक से चौकन्ने लोगों ने भाग कर जान तो बचा ली, किंतु मकानों और गौशालाओं का भारी नुकसान हुआ। सरकार ने संवेदना से मामले को संभाला भी, किंतु ऐसे घाव भरते हुए दशकों लग जाते हैं। जैसे कि मंडी जिला के 2023 और 2025 के घाव अभी तक भी भर नहीं पाए हैं। सरकारों की सामर्थ्य भी सीमित ही है और प्राथमिकताएं भी बाधा बनती हैं। बोह की घटनाओं को समझने के लिए मैंने कुछ साथियों से बात करके कारण जानने का प्रयास किया। मैंने समझा था कि जरूर कोई निर्माण कार्य व प्रकृति से छेड़छाड़ हुई होगी, किंतु ऐसा तो कुछ भी नहीं पाया गया। मुझे अपने एक मित्र प्रताप जरयाल जी की बात से नया ही दृष्टिकोण देखने को मिला और उसे मैंने काफी सटीक निष्कर्ष माना। उनके अनुसार जहां भूस्खलन हुआ उसके ऊपर कोई छेड़छाड़ प्रकृति से नहीं हुई, किंतु घने वन में आग जरूर लगी, जिससे जलकर मिट्टी की ऊपरी परत ढीली हो गई और आग के कारण कुछ चट्टानों में भी फट जाती हैं। उन दरारों में पानी भर कर ढीली मिट्टी को बहाने का कारक बन जाता है। गांव के ऊपर से गुजरने वाली पेयजल पाइपें भी टूट कर त्रासदी को बढ़ने का कारक बनी हैं। ऐसे दो-तीन पाइपों का पानी दो घराट चलाने योग्य होता है। इतना पानी भूस्खलन को कई गुणा बढ़ा सकता है। इसके साथ ही यह भी पाया गया कि 2021 और इस बार के भी नुकसान में नई बस्तियां ही चपेट में आई हैं। अब लोग पुरानी बस्तियों को छोड़ कर जहां दिल किया वहां मकान बना रहे हैं, नदियों के बाढ़-खादरे के भीतर तक घुसते जा रहे हैं। बोह का घडसूण गांव जो इस बार त्रासदी की चपेट में आया है, उसी गांव की पुरानी बस्ती ठीक-ठाक है। इसलिए टीसीपी के तहत गांव में भी ज्यादा बारीकी न भी की जाए परंतु नए निर्माण स्थल का आपदा संभावित स्थल न होने का तकनीकी प्रमाणपत्र तो जरूरी किया ही जाना चाहिए, ताकि सारी जिंदगी की कमाई लगा कर बसाया गए बसेरे को इस तरह असमय ही उजड़ता हो जाने का दर्द न सहना पड़े।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और पर्यावरणविद् हैं।)

सोशल मीडिया और विश्वसनीयता

योगेश के. सोनी

मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है?

आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। देश-दुनिया में कहीं भी कोई महत्वपूर्ण घटना होती है तो उसकी जानकारी कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इसका सकारात्मक प्रभाव भी है और नकारात्मक प्रभाव भी। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया पर दुनिया के सबसे सक्रिय नेताओं में शामिल हैं। उनके संदेश और वीडियो को देश-विदेश में करोड़ों लोग देखते हैं। जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया।

ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक है। मेटा की तकनीकी त्रुटि की सफाई आने के बाद मामला स्पष्ट जरूर हुआ, लेकिन इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता पर बहस को जरूर जन्म दे दिया। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं।

इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है।

यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं।

अपराधी कई बार किसी व्यक्ति के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाते हैं और उसके परिचितों से पैसे मांगते हैं। कुछ मामलों में फोटो के साथ छेड़छाड़ कर किसी व्यक्ति को बदनाम करने का प्रयास किया जाता है। ऐसी घटनाएं पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं।

इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में ध्रुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है।

आज आम व्यक्ति भी अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देशहित, समाज, बच्चों के भविष्य और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी सामने आनी चाहिए। साथ ही हिंसा, नफरत, धमकी, फर्जी सूचना और किसी व्यक्ति या समुदाय को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है जब उपयोगकर्ता को यह महसूस होने लगे कि कंटेंट मॉडरेशन के नियम समान रूप से लागू नहीं हो रहे हैं।

किसी भी प्लेटफॉर्म के लिए यह धारणा उसकी विश्वसनीयता के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए मेटा सहित सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके नियम स्पष्ट हों और उनका पालन पारदर्शी तथा समान तरीके से हो। तकनीकी गड़बड़ी पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकती। बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी-कभी तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि ऐसी समस्या होने पर कंपनी कितनी जल्दी उसे पहचानती है, कितनी पारदर्शिता से इसकी जानकारी देती है और प्रभावित उपयोगकर्ता को कितनी जल्दी समाधान उपलब्ध कराती है।

मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो चुकी है। इसलिए उनकी जवाबदेही भी उसी अनुपात में बढ़नी चाहिए। सोशल मीडिया आज समाज की खुली किताब बन चुका है। इसमें समाज की सोच, राजनीति, संस्कृति, घटनाएं और लोगों की प्रतिक्रियाएं दिखाई देती हैं। इसलिए इस किताब में गलत सूचना, नफरत और फर्जीवाड़े को जगह मिलने से समाज पर सीधा असर पड़ सकता है।

मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पर्चा नहीं, पूरा भविष्य लीक हो रहा है!

नवीन खाती

नई दिल्ली। देश के लाखों युवा जब किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटते हैं तो उनके सामने सिर्फ एक प्रश्नपत्र नहीं होता। उनके सामने परिवार की उम्मीदें होती हैं, वर्षों की मेहनत होती है, माता-पिता की जमा-पूंजी होती है और एक बेहतर जिंदगी का सपना होता है। लेकिन जब परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो जाएं तो यह सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं रह जाती। यह उस भरोसे पर हमला बन जाती है, जिसके सहारे देश का युवा अपने भविष्य की राह तय करता है।

नीट समेत प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सामने आए विवादों ने एक बार फिर इस बेहद असहज सवाल को हमारे सामने ला खड़ा किया है कि आखिर भारत की परीक्षा व्यवस्था कितनी सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह है? हर बार मामला सामने आने के बाद जांच, कार्रवाई, गिरफ्तारियां और सुधार के आश्वासन सुनाई देते हैं। कुछ समय तक बहस चलती है और फिर व्यवस्था अगले संकट का इंतजार करने लगती है। लेकिन उन विद्यार्थियों का क्या, जिनकी जिंदगी उस बीच अनिश्चितता में फंसी रहती है?

यह भी सच है कि सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठाए हैं। केंद्र ने Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024 लागू किया, जिसका उद्देश्य केंद्रीय सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक जैसी गतिविधियों पर रोक लगाना है। इसके दायरे में यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, आईबीपीएस और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसी संस्थाओं की परीक्षाएं आती हैं। सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति भी गठित की थी और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। लेकिन हालात ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। इसी जरूरत को देखते हुए संसद ने हाल में पब्लिक एग्जामिनेशन्स - प्रेवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स, अमेण्डमेंट बिल, 2026 पारित किया है। यह विधेयक 27 जुलाई को लोकसभा में पेश हुआ और 29 जुलाई को लोकसभा तथा 30 जुलाई को राज्यसभा से पारित हुआ। संशोधन में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर सजा को तीन से पांच वर्ष की मौजूदा सीमा से बढ़ाकर पांच से दस वर्ष तक करने और जुमार्ने को दस लाख से बढ़ाकर पचास लाख रुपये तक करने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा आयोजित करने वाले सेवा प्रदाताओं के लिए भी जुमार्ना एक करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये तक किया गया है। संगठित अपराध की स्थिति में न्यूनतम सजा सात वर्ष और न्यूनतम जुमार्ना दस करोड़ रुपये करने का प्रावधान है। परीक्षा संचालन में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले सेवा प्रदाता को भविष्य में सार्वजनिक परीक्षा से दूर रखने की अवधि भी चार वर्ष से बढ़ाकर आठ वर्ष की गई है। सरकार के इन कदमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कठोर कानून जरूरी हैं, क्योंकि परीक्षा में धांधली केवल एक प्रशासनिक गलती नहीं बल्कि लाखों युवाओं के अधिकारों और भविष्य से जुड़ा गंभीर अपराध है। संसद द्वारा सजा और आर्थिक दंड बढ़ाने का फैसला निश्चित रूप से उन लोगों के लिए मजबूत चेतावनी है जो परीक्षा व्यवस्था को अपने फायदे का जरिया बनाते हैं।

लेकिन यहीं से असली सवाल भी शुरू होता है। क्या कठोर सजा अपने आप परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित बना देगी? एक विद्यार्थी जब मेडिकल या किसी अन्य प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी शुरू करता है तो वह सिर्फ किताबों के साथ नहीं बैठता। वह अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा उस लक्ष्य को दे देता है। कई विद्यार्थी वर्षों तक कोचिंग करते हैं। परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करता है। छोटे शहरों और कस्बों से निकलने वाले युवा बड़े शहरों में किराये के कमरे लेकर पढ़ते हैं। माता-पिता अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की फीस भरते हैं। घर में एक ही उम्मीद होती है- मेहनत रंग लाएगी और परीक्षा एक निष्पक्ष अवसर देगी।

लेकिन यदि परीक्षा से पहले ही किसी को प्रश्नपत्र या उसके बारे में अनुचित जानकारी मिल जाए, यदि परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था में सेंध लग जाए अथवा परिणाम और प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा हो जाए तो उस मेहनत का मूल्य क्या रह जाता है? यही वह सवाल है जिसका जवाब केवल जांच एजेंसियों या शिक्षा मंत्रालय को नहीं, पूरी व्यवस्था को देना होगा। पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद सबसे पहले यह पूछा जाता है कि पर्चा किसने लीक किया। यह सवाल जरूरी है, लेकिन अधूरा है। उससे बड़ा सवाल है कि पर्चा लीक होने की नौबत आई कैसे? प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसके मुद्रण, भंडारण, परिवहन और परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के बीच कितने लोग और कितनी प्रक्रियाएं शामिल हैं? इनमें से किस स्तर पर सुरक्षा कमजोर हुई? क्या जिम्मेदारी केवल उस व्यक्ति की है जिसने कथित रूप से अपराध किया या उस पूरी व्यवस्था की भी, जिसने उसे ऐसा करने का अवसर दिया?

यदि किसी परीक्षा की सुरक्षा इतनी नाजुक है कि कुछ लोग लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, व्यवस्था की असफलता भी है। हालांकि सरकार की ओर से परीक्षा सुधार के प्रयास भी जारी हैं। परीक्षा संचालन की निगरानी मजबूत करने, तकनीक के इस्तेमाल, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संस्थागत जवाबदेही पर जोर दिया जा रहा है। संसद की एक समिति ने भी परीक्षा प्रक्रिया की सुरक्षा से जुड़े तकनीकी विकल्पों और चुनौतियों पर विचार किया है। रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि कागज आधारित परीक्षाओं में पेपर लीक का जोखिम रहता है, जबकि कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं में साइबर सुरक्षा की अलग चुनौतियां हैं। यानी समाधान केवल परीक्षा का माध्यम बदल देना नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की सुरक्षा मजबूत करना है। सबसे अधिक नुकसान उस विद्यार्थी का होता है जिसका नाम किसी विवाद में नहीं होता। उसने ईमानदारी से पढ़ाई की होती है। उसने परीक्षा दी होती है। उसे उम्मीद होती है कि उसका परिणाम उसकी मेहनत का प्रतिबिंब होगा। लेकिन जब परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं तो वह भी संदेह के घेरे में आ जाता है। उसका परिणाम घोषित हो या परीक्षा दोबारा हो- हर स्थिति में उसे समय, पैसा और मानसिक ऊर्जा की कीमत चुकानी पड़ती है। और समय ऐसी चीज है जिसे कोई सरकार वापस नहीं कर सकती। एक 18 या 20 साल के विद्यार्थी के लिए एक साल सिर्फ कैलेंडर का एक पन्ना नहीं होता। वह उसके करियर की दिशा बदल सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में उम्र की सीमा होती है, परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा इंतजार नहीं करती और हर विद्यार्थी के पास दोबारा तैयारी करने की समान क्षमता नहीं होती। इसलिए परीक्षा में गड़बड़ी का असर केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं रहता, वह विद्यार्थी के पूरे जीवन पर पड़ सकता है। एक और गंभीर सवाल यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अब एक बड़े आर्थिक तंत्र का हिस्सा बन चुकी है। कोचिंग संस्थान, टेस्ट सीरीज, हॉस्टल, किराये के कमरे, किताबें और ऑनलाइन पाठ्यक्रम- एक परीक्षा के पीछे परिवारों का बड़ा आर्थिक निवेश जुड़ा है। ऐसे में परीक्षा व्यवस्था की विफलता का आर्थिक बोझ भी आखिर किस पर पड़ता है? उसी परिवार पर, जो पहले ही अपने बच्चे के भविष्य के लिए अपनी सीमाएं तोड़ चुका होता है। इसलिए सरकार द्वारा कानून को कठोर बनाना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन कानून का वास्तविक परीक्षण उसके लागू होने में होगा। कितने मामलों में तेजी से जांच होगी? कितने दोषियों को समयबद्ध सजा मिलेगी? परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी किस स्तर तक तय होगी? और यदि किसी परीक्षा में गंभीर अनियमितता सामने आती है तो निर्दोष विद्यार्थियों को राहत देने की प्रक्रिया कितनी जल्दी शुरू होगी?

विद्यार्थियों को केवल दोषियों की सजा नहीं चाहिए। उन्हें अपने भविष्य की सुरक्षा चाहिए।

उन्हें यह भरोसा चाहिए कि यदि वे दस घंटे पढ़ते हैं तो उनकी मेहनत दस घंटे ही मानी जाएगी; किसी और की मिलीभगत उनकी मेहनत को एक झटके में बेकार नहीं कर देगी। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि परीक्षा केंद्र पर बैठा हर विद्यार्थी समान स्थिति में है और परिणाम किसी अदृश्य खेल का हिस्सा नहीं है। यह भरोसा टूटना खतरनाक है। क्योंकि आज का विद्यार्थी केवल परीक्षा देने वाला युवक नहीं है। वह कल का डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, अधिकारी, वैज्ञानिक और उद्यमी है। उसके मन में यदि यह धारणा घर कर गई कि व्यवस्था में ईमानदार मेहनत से ज्यादा महत्व पैसे, पहुंच या धांधली का है तो इसका नुकसान केवल एक परीक्षा को नहीं होगा। यह पूरी पीढ़ी के विश्वास को प्रभावित करेगा।

विद्यार्थियों को दोषियों की सजा से ज्यादा अपने भविष्य की सुरक्षा चाहिए। देश को कठोर कानून चाहिए, लेकिन उससे भी पहले ऐसी परीक्षा प्रणाली चाहिए जिसमें कानून का इस्तेमाल करने की नौबत ही कम आए। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, लेकिन निर्दोष विद्यार्थियों को उनके अपराध की कीमत नहीं चुकानी चाहिए। जांच होनी चाहिए, लेकिन जांच के नाम पर युवाओं का भविष्य अनिश्चितकाल तक रोका नहीं जा सकता।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश अपने युवाओं को दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति बताता है, लेकिन वही युवा जब अपने भविष्य की परीक्षा देने बैठता है तो उसे बार-बार व्यवस्था पर भरोसा करने की परीक्षा देनी पड़ती है! यह स्थिति बदलनी होगी।

किसी विद्यार्थी की असफलता उसकी अपनी हो सकती है। वह मेहनत कम होने की वजह से असफल हो सकता है। वह अपनी रणनीति में गलती कर सकता है। लेकिन यदि वह इसलिए पीछे रह गया क्योंकि परीक्षा व्यवस्था ही निष्पक्ष नहीं थी, तो उसकी हार नहीं हुई है- उसे हराया गया है। और जिस व्यवस्था में ईमानदार मेहनत करने वाला युवा खुद को हारा हुआ महसूस करे, उस व्यवस्था को अपनी सफलता का दावा करने से पहले खुद से सवाल करना चाहिए।

अब सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि पर्चा किसने लीक किया? सवाल यह होना चाहिए कि पर्चा लीक होने दिया किसने? जिम्मेदारी केवल अपराधी की नहीं, उस व्यवस्था की भी तय होनी चाहिए जिसने सुरक्षा की दीवार में सेंध लगने दी। क्योंकि प्रश्नपत्र के कुछ पन्ने लीक होने से कहीं ज्यादा खतरनाक है- एक पूरी पीढ़ी का व्यवस्था से भरोसा लीक हो जाना। सरकार और संसद ने कानून की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। अब बारी व्यवस्था की है कि वह साबित करे कि कानून केवल कागज पर कठोर नहीं, जमीन पर भी प्रभावी है। क्योंकि अंततः सवाल किसी एक परीक्षा का नहीं है। सवाल यह है कि क्या हमारे युवाओं को अपने भविष्य के लिए निष्पक्ष परीक्षा मिल सकती है? और अगर इसका जवाब हां है, तो यह भरोसा केवल शब्दों से नहीं, हर परीक्षा में दिखाई देना चाहिए।

जहां समय का अंत दिखता है, वहीं से शुरू होता है ब्रह्मांड का रहस्य

अनिकेत सिंह

सुबह जल्दी-जल्दी कार्यालय जाने के लिए निकलते समय हम घड़ी पर एक नजर डालते हैं, समय पर पहुंचने की चिंता में। समय हमारे जीवन का इतना अभिन्न हिस्सा है कि उसके बिना एक क्षण की भी कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन यदि हम भौतिकी से पूछें कि समय वास्तव में बहता क्यों है? तो इसका उत्तर इतना सरल नहीं है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की भौतिक विज्ञानी नतालिया एरेस कहती हैं कि समय विज्ञान के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है। अल्बर्ट आइंस्टीन के सिद्धांतों ने समय को वक्र बना दिया, जबकि क्वांटम सिद्धांत समय की लगभग अनदेखी करता है। आधुनिक भौतिकी का कोई भी पक्ष समय को संतोषजनक ढंग से समझा नहीं पाता। जैसे कोई व्यक्ति घड़ी की सुइयां तो देखता है, लेकिन उसके पीछे के यंत्र को कभी नहीं समझ पाता, वैसे ही वैज्ञानिक समय के दिखावे को देखते हैं, लेकिन उसके मूल स्वरूप को अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं।

1980 के दशक में प्रस्तुत की गई एक साहसिक परिकल्पना फिर चर्चा में आई है। इस विचार के अनुसार समय एक भ्रम है, जो मूल रूप से समयरहित ब्रह्मांड से क्वांटम मैकेनिक्स की विचित्र कार्यप्रणाली के माध्यम से उत्पन्न होता है। इस सिद्धांत को पेज-वूटर्स मैकेनिज्म कहा जाता है।

अतीत में इस विचार ने अनेक वैज्ञानिकों को प्रभावित किया था, लेकिन इसे प्रयोगशाला में परखना असंभव माना जाता था। यह केवल गणित का एक सुंदर खेल समझा जाता था, जिसे प्रयोग द्वारा सिद्ध करने का कोई रास्ता नहीं था।

चालीस वर्ष बाद घड़ियों की कार्यप्रणाली पर हो रहे नए वैज्ञानिक अनुसंधानों ने इस परिकल्पना को परखने का मार्ग खोल दिया है। क्वांटम प्रौद्योगिकी के विकास के साथ वैज्ञानिकों को यह समझने की आवश्यकता पड़ी कि घड़ी वास्तव में क्या है और वह कैसे काम करती है।

आश्चर्यजनक रूप से इस शोध में ब्लैक होल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, ऐसे संकेत मिले हैं। यदि समय वास्तव में भ्रम है, तो हमारा

दैनिक अनुभव तो घड़ी की सुइयों का घूमना, ऋतुओं का बदलना, वृद्ध होना, यह सब कहां से आता है? क्या ब्रह्मांड वास्तव में एक स्थिर, गतिहीन चित्र है और जिसे हम 'समय का बहना' कहते हैं, वह केवल क्वांटम एंटैंगलमेंट का एक चमत्कार है? अगर इस प्रश्न का उत्तर मिल जाए तो ब्रह्मांड के बारे में हमारी सबसे बुनियादी समझ ही बदल सकती है।

इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए वैज्ञानिकों को भौतिकी के इतिहास में गहराई तक उतरना पड़ता है, जहां समय की समझ की नींव रखी गई थी और जहां एंट्रॉपी, सापेक्षता (रिलेटिविटी) तथा क्वांटम सिद्धांत ने समय के रहस्य को और अधिक उलझा दिया था। लेकिन समय के रहस्य को सुलझाने की यह यात्रा शुरू कहां से हुई? अगर हम आधुनिक भौतिकी के सभी नियमों और समीकरणों का अध्ययन करें, तो समय केवल एक दिशा में बहता दिखाई देता है। इसका एकमात्र प्रमाण ऊष्मागतिकी के दूसरे नियम से मिलता है।

यह नियम कहता है कि एंट्रॉपी, अर्थात अव्यवस्था का माप, हमेशा बढ़ता रहता है। इसलिए दूध कॉफी में मिल जाने के बाद फिर अलग नहीं होता। पुराने किले धीरे-धीरे खंडहर बन जाते हैं, लेकिन खंडहर कभी स्वयं किला नहीं बन जाते। लेकिन यह नियम भी पूरी व्याख्या नहीं देता। यह संकेत करता है कि ब्रह्मांड की शुरूआत अत्यंत व्यवस्थित अवस्था में हुई होगी, जिसका कारण विज्ञान आज तक नहीं समझ पाया है।

इसके बाद आया आइंस्टीन का सामान्य सापेक्षता सिद्धांत यानी जनरल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी, जिसने समय और अंतरिक्ष को एक लचीले चार-आयामी ताने-बाने में जोड़ दिया। पर्वतों पर गुरुत्वाकर्षण कम होने के कारण वहां समय समुद्र तल की तुलना में थोड़ा तेज चलता है। यह तथ्य आज भी अनेक लोगों को आश्चर्यचकित करता है। दशकों तक पेज-वूटर्स मैकेनिज्म केवल सिद्धांत और विचार-प्रयोगों तक ही सीमित रहा। लेकिन अब वैज्ञानिक इसे प्रयोगशाला में परखा जा सकने वाला प्रश्न बना रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण है, क्वांटम प्रौद्योगिकी का तीव्र विकास। क्वांटम कंप्यूटर और सेंसर जैसे उपकरणों को अधिक सटीकता से कार्य करने के लिए वैज्ञानिकों को पहले यह समझना पड़ा कि घड़ी वास्तव में क्या होती है। 2017 में एक शोध दल ने दिखाया कि समय मापना भी निशुल्क नहीं है। घड़ियां केवल निष्क्रिय माप उपकरण नहीं हैं, बल्कि इंजन की तरह हैं, जिन्हें काम करने के लिए ऊर्जा चाहिए। वे ऊष्मा उत्पन्न करती हैं। सामान्य जीवन में यह ऊष्मा नगण्य होती है, लेकिन क्वांटम स्तर पर इसका थोड़ा-सा प्रभाव भी घड़ी की सटीकता बिगाड़ सकता है। सरल भाषा में कहें तो घड़ी वह है, जो किसी अपरिवर्तनीय घटना को उत्पन्न करे और उसका रिकार्ड रख सके, चाहे वह कॉफी का ठंडा होना हो या चेहरे पर झुर्रियों का पड़ना।

जानकारी

ब्रेन स्ट्रोक-हार्ट अटैक से बचाएगी ऑर्गेनिक पालक-चौलाई

ब्रेन स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों से अब आपको ऑर्गेनिक पालक और चौलाई की सब्जी बचाएगी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञनिकों ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि पालक और चौलाई की ऐसी प्रजाति तैयार की जा रही है जिसमें दिल, गुर्दे और आंखों की गंभीर बीमारियों से बचाने वाले तत्व (मिनरल्स) प्रचुर मात्रा में होंगे। इन सब्जियों की प्रजाति ऑर्गेनिक तकनीक से विकसित की जा रही है। शोधकर्ता सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजीव के मुताबिक हरे पत्ते वाली सब्जियों के रिसर्च पर पूरी तरह फोकस है।

देखने में आया है कि हरी सब्जियों की पोषकता कम हो रही है, इसलिए उसे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उनके मुताबिक प्रयास है कि तापमान के असर को भी कम किया जा सके ताकि पालक कम से कम मार्च तक बाजार में बनी रहे। इसी तरह चौलाई कुछ जल्दी बाजार में आ जाए। वैज्ञानिकों के मुताबिक पालक में पोटेशियम उच्च तो सोडियम की मात्रा कम होती है।

पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर कम करता है। पालक में मौजूद फोलेट उच्च रक्तचाप कम करने में योगदान देता है और उचित रक्त प्रवाह बनाए रखने के साथ-साथ रक्त वाहिकाओं को आराम भी देता है। एथ्रोस्क्लेरोसिस धमनियों के कठोर होने के कारण होता है। धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने के कारक तत्वों को कम करने में पोटेशियम सहायक होगा। इससे हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक का खतरा कम होता है।

तंत्रिका संबंधी लाभ

पोटेशियम, फोलेट और विभिन्न एंटीऑक्सीडेंट आदि पालक के ऐसे घटक है जो लोगों को न्यूरोलॉजिकल की दिक्कतों में लाभ देते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अल्जाइमर की बीमारी के कारण फोलेट की कमी हो जाती है। पोटेशियम ब्रेन की कोशिकाओं में रक्त संचार सिस्टम को बढ़ाने में मदद करता है। इससे अनुभूति, एकाग्रता में बढ़ोतरी संभव है।

आखों के लिए उपयोगी

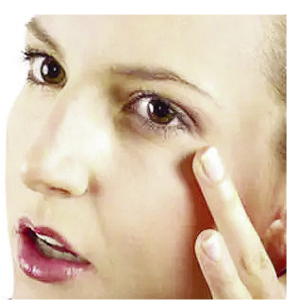

पालक बीटा कैरोटीन, ल्यूटिन और जेंथिन का बड़ा स्रोत है जो आंखों की रोशनी के लिए उपयोगी है। पालक में पाया जाने वाला बीटा कैरोटीन आंखों को थकने नहीं देता। इसमें पाया जाने वाला विटामिन आंखों में खुजली और आंखों में शुष्कता को रोकता है।

सभी तत्व संतुलित

लोग समझते हैं कि पालक सिर्फ हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है मगर इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, फाइबर और खनिज लवण होता है। पालक में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन तथा विटामिन ए, बी, सी आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इस पालक में सभी तत्व संतुलित मात्रा में होंगे।

आंख की फुंसी जिसे अंग्रेजी में Eye Sty कहते हैं , आंख की पलकों पर बाहर की तरफ या अंदर की तरफ हो जाती है । ज्यादातर यह फुंसी बाहर की तरफ होती है। आम बोलचाल में इसे गुहेरी कहते हैं।

आंख की फुंसी गुहेरी का उपचार

इस फुंसी में दर्द होता है, सूजन होती है। पलक झपकाना मुश्किल हो जाता है। कई बार इससे आंख में खुजली या जलन भी होती है। तेज रोशनी से दिक्कत होने लगती है। फुंसी के बीच पीले रंग में पस भी नजर आ सकता है। फुंसी से कुछ पानी भी निकल सकता है। इसे आंख में बिलनी के नाम से भी जाना जाता है।

घरेलु इलाज

- गर्म पानी में साफ सूती कपड़े को भिगोकर नीचो लें। इससे गुहेरी की सिकाई करें। दिन में तीन चार बार इस प्रकार सिकाई करने से बहुत आराम मिलता है। सूजन और दर्द कम हो जाता है।
- इमली के बीज को दो दिन तक पानी में भिगोकर छिलका निकाल दें। इस छिलका निकले हुए इमली के बीज की गिरी को चंदन की तरह घिस कर गुहेरी (eye sty) पर लगाएं। इससे आश्चर्यजनक फायदा होता है । इससे आंख की फुंसी ठीक हो जाती है।
- सीधे हाथ की तर्जनी अंगुली बाई हथेली पर तेजी से घिसें । गर्म होने पर अंगुली फुंसी पर रखें।
- यह क्रिया बार बार (15 -20 बार) करने से आंख में फुंसी ठीक हो जाती है। दिन में चार पांच बार इसे करें।
- अंगुली की मदद से योग मुद्रा बनाई जाती है जो बहुत फायदेमंद होती है। ये बहुत आसान और लाभदायक हैं।
- गर्म पानी में थोड़ी हल्दी मिलाकर इस पानी से कपड़े की मदद से सिकाई करने से आंख की फुंसी ठीक होती है।
- ग्वारपाठे का गूदा फुंसी पर दिन में तीन चार बार लगाने से गुहेरी का दर्द व सूजन मिटकर गुहेरी ठीक हो जाती है।

आंखमें फुंसी होने का कारण

आंखकी पलक में छोटी छोटी तेल ग्रंथियां होती है। यह ग्रंथियां डेड स्किन , धूल मिट्टी , या काजल आदि के कारण बंद हो जाती है। इसके कारण वहाँ बेक्टिरिया पैदा हो जाते है। इस वजह से सूजन होने लगती है। यह एक फुंसी का रूप ले लेती है। यही आंख की गुहेरी होती है।

साधारणतया सात आठ दिनों में ये ठीक हो जाती है। ये बड़े नहीं इसका ध्यान रखना चाहिए।

हार्मोन के बदलाव , तनाव और साफ सफाई का ध्यान नहीं रखने के कारण भी आंखमें फुंसी हो सकती है। एक बार में एक या एक से अधिक फुंसी भी ही सकती है।

- एक कप पानी में अमरूद के चार पाँच पत्ते डालकर उबाल लें। गुनगुना रहने पर इस पानी में साफ कपड़ा भिगोकर इससे सिकाई करें। दिन में दो तीन बार इस प्रकार सिकाई करने से आंखकी फुंसी ठीक होती है।
- बार बार आंख पर फुंसी हो जाती हो तो त्रिफला चूर्ण आधा चम्मच सुबह शाम एक सप्ताह तक दूध के साथ लें। आंखपर फुंसी होना बंद हो जायेगी ।
- गुप्तांग की सफाई नहाते वक्त अच्छे से धोकर करनी चाहिए। ऐसा नहीं करने पर आंख पर बार बार फुंसी हो सकती है। लिंग के अगले हिस्से शिश्न मुंड की स्किन के नीचे की सफाई विशेष कर जरूरी होती है।
- आंख कीफुंसी को मसलना नहीं चाहिए। फुंसी को फोड़ने या पस निकालने की कोशिश भी नहीं करनी चाहिए। मसलने या फोड़ने से इन्फेक्शन होकर समस्या बढ़ सकती है।
- फुंसी को आंख के मेकअप जैसे मस्कारा, आई लाइनर, आई शेडो आदि से छुपाने की कोशिश नही करनी चाहिये। मेकअप के सामान से इन्फेक्शन बढ़ सकता है। पुराना हो चुका आंखके मेकअप का सामान भूल कर भी काम में ना लें।
- आंख में फुंसी होने पर कांटेक्ट लेंस नहीं पहनने चाहिए। लेंस की बजाय चश्मा काम में लेना चाहिए । आराम रहेगा।
- तीन महीने से ज्यादा पुराना आंखों के मेकअप का सामान यूज नहीं करना चाहिये। ये इन्फेक्शन की वजह बन सकता है।
- मानसिक तनाव गुहेरी का कारण हो सकता है। एग्जाम के समय छात्रों को अकसर ये परेशानी हो जाती है। टेंशन करने के बजाय अपने दिमाग की ताकत बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए।

सुझाव

सात दिन पिएं सुबह किशमिश का पानी, होगा चौंकाने वाला फायदा

अगर आप अपनी सेहत को लेकर चिंतित रहते हैं तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दें। इस पानी को बनाने का तरीका काफी आसान है। इस पानी को कम से कम एक हफ्ते तक पीने से ना केवल आपके दिल की बीमारी दूर होगी बलकि आपका लिवर भी साफ होगा।

सूखे मेवे हमेशा से ही हमारी सेहत के लिये अच्छे माने गए हैं। बात अगर किशमिश की हो तो इसका स्वास्थ्य लाभ हर किसी को पता ही है। पर क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह किशमिश का पानी पिया जाए तो सेहत के लिये कितना फायदेमंद होगा। जी हां, किशमिश का पानी एक पुराना नुस्खा है जो आज भी कई तरह की बीमारियों को दूर करने के लिये किया जाता है। किशमिश के पानी में ढेर सारे विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार किशमिश के पानी का अगर नियमित सेवन किया जाए तो शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलता है और बॉडी डिटॉक्स होती है। इस पानी को कम से कम एक हफ्ते तक पीने से ना केवल आपके दिल की बीमारी दूर होगी बलकि आपका लिवर भी साफ होगा और उसके काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे पहले कि आप इसके हेल्थ बेनिफिट को जानें आइये देख लेते हैं कि किशमिश का पानी कैसे तैयार करते हैं।

किशमिश का पानी कैसे बनाएं

सामग्री-

2 कप पानी
150 ग्राम किशमिश

विधि

एक पैन में 1 गिलास पानी उबालें और उसमें मुट्ठीभर किशमिश भिगो कर रातभर के लिये रख दें। दूसरे दिन सुबह इस पानी को छान कर धीमी आंच पर हल्का गरम कर लें। इस पानी को सुबह खाली पेट पिएं और 30-35 मिनट रुक कर ब्रेकफास्ट खाएं।

किशमिश का पानी पीने के फायदे

1. बॉडी डिटॉक्स करेः इस पानी को पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकलती है और खून साफ होता है। यह लिवर की कार्य क्षमता को भी बढ़ाता है।

2. एनीमिया होता है दूरः किशमिश में ढेर सारा आयरन और कॉपर पाया जाता है। यही नहीं इसमें ऐसे विटामिन्स होते हैं जो रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाते हैं। इस पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में कभी एनीमिया नहीं होता।

3. दिल की करे सुरक्षाः इस पानी का नियमित सेवन आपको हार्ट की बीमारी से भी बचाता है। यह खून की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है और स्ट्रोक, हाई बीपी और हार्ट अटैक से बचाता है।

4. पेट रखे दुरुस्तः अगर आपको पेट में एसिडिटी बनने की समस्या है या फिर खाना पचाने में दिक्कत आती है तो आपको रोज सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने की आदत डाल लेनी चाहिये।

5. किडनी रहती है स्वस्थः किशमिश में काफी मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। ऐसे में रोजाना इस पानी का सेवन करने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं और किडनी स्वस्थ रहती है।

नोटः हमेशा काले रंग की किशमिश ही चुनें। साफ और चमकदार किशमिश में अक्सर कैमिकल्स होते हैं जो आपकी सेहत के लिये काफी खतरनाक होते हैं। इस उपचार को 1 हफ्ते तक करें और फर्क देखें।

लौकी जूस के चमत्कारी फायदे

यदि आप कभी बीमार नहीं पड़ना चाहते हैं तो रोज सुबह खाली पेट लौकी का एक गिलास जूस पीना ना भूलें। लौकी का जूस पीने से मोटापा दूर होता है, पित्त कंट्रोल होती है, दिल की बीमारी और हाई बीपी की समस्या से छुटकारा मिलता है। लौकी का जूस बनाने के बाद इसे एक बार जरूर चख कर देख लें। लौकी में कई गुण होते हैं जो शरीर के कई रोगों को दूर करते हैं। लौकी में 12 प्रतिशत तक पानी होता है और बाकी फाइबर होता है। भारत में लाखों लोग स्वस्थ रहने के लिये रोज़ लौकी का जूस पीते हैं। गर्मियों में इसका जूस पीने से शरीर को काफी लाभ मिलते हैं।

यदि आप कभी बीमार नहीं पड़ना चाहते हैं तो रोज सुबह खाली पेट इसका एक गिलास पीना ना भूलें। लौकी का जूस जिस तरह से फायदा पहुंचाता है ठीक उसी तरह से इसको पीते समय कुछ बातों का ध्यान भी रखना चाहिये। लौकी का जूस बनाने के बाद इसे एक बार जरूर चख कर देख लें कि कहीं यह कड़वा तो नहीं। क्योंकि अगर यह कड़वा है तो यह पेट में गैस और अपच पैदा करेगा। आइए अब जानते हैं इसे बनाने की विधि और कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में....

लौकी के जूस की रेसिपी-

लौकी- 250 या 300 ग्राम
पुदीने की पत्ती- 5-6
जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून
काली मिर्च पाउडर - चुटकीभर
नमक- स्वाद अनुसार

जूस बनाने की विधि

सबसे पहले लौकी को छील कर धो लें। फिर उसे छोटे पीस में काटें। अब एक ब्लेंडर में लौकी के टुकड़े डाल कर साथ में पुदीने की पत्ती मिलाएं और चलाएं। जब जूस बन जाए तब उसमें जीरा पावडर, नमक और कली मिर्च पावडर डालें। इसे अच्छी तरह से चलाएं और बर्फ डाल कर सर्व करें।

लौकी के जूस को पीने का फायदा

मोटापा घटाए

वे लोग जो वजन घटाना चाहते हैं उनके लिये लौकी का जूस काफी फायदेमंद होता है। इस जूस को नियमित पीने से भूख कंट्रोल रहती है। इस जूस में ढेर सारे विटामिन, पोटैशियम और आयरन भारी मात्रा में पाया जाता है। आप इसे रोज सुबह खाली पेट पिएंगे तो फायदा होगा।

पाचन क्रिया सुधारे और कब्ज दूर करे

लौकी में ढेर सारा घुलनशील फाइबर पाया जाता है जो कि उसमें मौजूद ढेर सारे पानी के साथ मिल कर पाचन क्रिया को आसान बनाता है। इस जूस को नियमित पीने से कब्ज ठीक होता है तथा एसिडिटी में आराम मिलता है।

बॉडी हीट कम करता है

अगर आपकी बॉडी में हीट है, जिसके चलते सिर में दर्द या फिर अपच होता है तो लौकी का जूस जरूर पीना चाहिये। लौकी के जूस में अदरक मिला कर पिएं तो ज्यादा फायदा होगा।

हाई ब्लड प्रेशर कम करे

हाई ब्लड प्रेशर एक आम समस्या बन चुकी है। लौकी के जूस में पोटैशियम अधिक पाया जाता है जो कि ब्लड प्रेशर को कम करने के लिये जाना जाता है।

रेसिपी

वॉलनट्स एनर्जी बार्स

सामग्री

- 100 ग्राम कैलिफोर्निया वॉलनट्स और 16 कैलिफोर्निया वॉलनट्स आधे टुकड़ों में सजावट के लिये, 200 ग्राम मेड्यूल खजूर
- 150 ग्राम ड्राइ क्रैनबेरी
- 3 टेबलस्पूरन कोको पावडर
- 1 टीस्पूपन भरकर चुकंदर का पावडर

विधि

फूड प्रोसेसर में 100 ग्राम कैलिफोर्निया वॉलनट्स डालें और इसका बारीक पावडर तैयार कर लें। इसमें खजूर, क्रैनबेरी और कोको पावडर मिलायें और तब तक इसे चलायें जब तक कि यह मिश्रण मुलायम होकर एक गोले के रूप में आपस में चिपक ना जायें। एक छोटा चौकोर आकार का बेकिंग ट्रे तैयार करें और उस पर इस मिश्रण को फैलायें। मैटल के चम्मच से इस मिश्रण को चपटा करें और एसमान परत तैयार करें। इस कम से कम एक घंटे के लिये या फिर पूरी रात ठंडा होने के लिये फ्रिज में रख दें। एक बार ठंडा होने पर इसके ऊपर चुकंदर का पावडर छिड़कें, 16 बार्स में इसे काटें और हरेक के ऊपर कैलिफोर्निया वॉलनट्स के टुकड़े को रखें और एक एअर टाइट डिब्बे में इसे स्टोर करें।

वॉलनट्स स्मूदी बाउल

सामग्री

- 400 ग्राम गाजर कटी हुई
- 400 मिली दूध
- 4 संतरे
- अनन्नास के 4 टुकड़े
- जूस में टीस्पून अदरक
- 60 ग्राम कैलिफोर्निया वॉलनट्स
- आधे टुकड़ों में। सजावट के लिये किसा हुआ
- नारियल
- किसा हुआ अदरक
- कैलिफोर्निया वॉलनट्स।

विधि

ब्लेंडर में गाजर, कैलिफोर्निया वॉलनट्स का आधा हिस्सा, संतरे का जूस, अन्नास के टुकड़े, दूध और अदरक डालें। एक बाउल में परोसें और इसे कैलिफोर्निया वॉलनट्स, किसा हुआ नारियल और किसे हुए अदरक के साथ सजायें।

डॉ.भार्गव मल्लप्पा ने लिखी इंडियाज जर्नी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन

डॉ. भार्गव मल्लप्पा ने द मोदी एराः इंडियाज जर्नी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन नामक नई पुस्तक लिखी है, जिसमें भारत के डिजिटल बदलाव और देश की विकास यात्रा को आकार देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भूमिका का अध्ययन किया गया है। पुस्तक में डिजिटल इंडिया के विस्तार के साथ आधार, भारतनेट, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI), डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता और वित्तीय समावेशन जैसी प्रमुख पहलों पर चर्चा की गई है। इसमें यह भी बताया गया है कि डिजिटल तकनीक ने नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक अवसरों तक पहुंच को किस तरह बदला है।

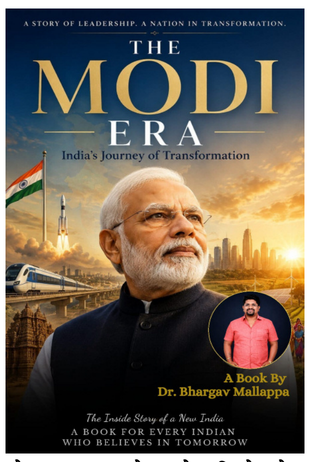

डॉ. मल्लप्पा ने इस पुस्तक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल रूप से सशक्त भारत के उनके दृष्टिकोण के प्रति सम्मान के रूप में समर्पित किया है। पुस्तक में डिजिटल इंडिया को केवल तकनीकी कार्यक्रमों तक सीमित न रखते हुए यह भी देखा गया है कि डिजिटल बुनियादी ढांचे और नवाचार ने शासन व्यवस्था और लोगों के दैनिक जीवन को किस तरह प्रभावित किया है। पुस्तक में भारत के डिजिटल बदलाव से जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई है।

इनमें डिजिटल विभाजन, साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और तकनीक तक असमान पहुंच जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इंडियाज जर्नी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से डॉ. मल्लप्पा ने भारत के डिजिटल परिदृश्य के विकास को दर्ज करने का प्रयास किया है। साथ ही, इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5G और डिजिटल गवर्नेंस जैसी तकनीकों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच सामने आने वाले अवसरों और चुनौतियों पर भी चर्चा की गई है।

पुस्तक के बारे में डॉ. भार्गव मल्लप्पा ने कहा, यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के उनके दृष्टिकोण के प्रति मेरी श्रद्धांजलि है। मैंने डिजिटल इंडिया की यात्रा, आम नागरिकों पर इसके प्रभाव और भविष्य की संभावनाओं को सामने रखने का प्रयास किया है। पुस्तक में भारत के डिजिटल बदलाव में नागरिकों की भूमिका पर भी चर्चा की गई है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि लोगों को डिजिटल तकनीकों तक पहुंच के साथ-साथ उन्हें समझने और प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना भी जरूरी है।

द मोदी एराः इंडियाज जर्नी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन भारत के डिजिटल बदलाव, तकनीक, शासन और सार्वजनिक नीति में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए तैयार की गई है। यह पुस्तक भारत के एक अधिक डिजिटल रूप से जुड़े और सशक्त समाज बनने की यात्रा का विवरण प्रस्तुत करती है।

दिल्ली राज्य सहकारी बैंक किसानों और कारीगरों के वित्तपोषण के क्षेत्र में करेगा विस्तार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सहकारी बैंकिंग तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, नाबार्ड, नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने 10 अगस्त 2026 को दिल्ली राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (डीएसटीसीबी) के शाखा प्रबंधकों के लिए अपनी पहली क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी बैंकिंग के विकासात्मक, विनियामक, पर्यवेक्षी तथा व्यवसाय विकास संबंधी पहलुओं पर जागरूकता और क्षमता का संवर्धन करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री नवीन कुमार राय, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने वित्तीय समावेशन और स्थानीय आर्थिक विकास में सहकारी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सतत विकास को गति देने के लिए सुदृढ़ प्रशासन, प्रौद्योगिकी के उपयोग, ग्राहक-केंद्रित सेवाओं तथा संस्थागत क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला में श्री हरीश झिरवाल (सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक), श्री अनिल कुमार (उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, दिल्ली सरकार), डॉ. डी. के. राणा (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, के.वी.के. उजवा), श्रीमती संध्या कपूर

(निदेशक, एनसीयूआई) तथा नाबार्ड प्रधान कार्यालय और नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय की टीम द्वारा विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में एकीकृत लोकपाल योजना, डीईए फंड, के.वाई.सी. अनुपालन, सहकारी सुशासन, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन, किसानों की ऋण आवश्यकताएँ, राष्ट्रीय सहकारी नीति तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तपोषण और डिजिटल बैंकिंग सहित व्यवसाय विविधीकरण के अवसरों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने डीएसटीसीबी के शाखा प्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों को सहकारी बैंकिंग में व्यावसायिकता, व्यवसाय विविधीकरण तथा प्रौद्योगिकी आधारित परिवर्तन पर विचार-विमर्श का एक प्रभावी मंच प्रदान किया।

अपने समापन संबोधन में, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने सहकारी बैंकों से किसानों, बुनकरों, कारीगरों तथा अन्य वंचित वर्गों की ऋण आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने अर्ध-शहरी और शहरी-गरीब परिवारों के लिए संचालित सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने पर भी बल दिया। निचले स्तर पर सहकारी संरचना को सशक्त बनाने के नाबार्ड के दृष्टिकोण को दोहराते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों से दिल्ली में कम से कम एक सशक्त प्राथमिक कृषि ऋण समिति (PACS) / बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समिति (MPACS) के पुनर्जीवन अथवा विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंने कहा कि ऐसी संस्था नए व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने, वित्तीय समावेशन को गहरा करने, ऋण एवं सरकारी योजनाओं तक पहुँच में सुधार करने तथा भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के ह्लसहकार से समृद्धिह्व के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

श्री राजीव कुमार कादयान, कार्यवाहक प्रबंध निदेशक, डीएसटीसीबी ने शाखा प्रबंधकों से नवाचार, ग्राहक-केंद्रित सेवाओं और डिजिटल तकनीकों को अपनाकर सहकारी बैंकिंग में परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया।

भारत मंडपम में ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 का हुआ समापन

भारत मंडपम में आयोजित ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 के तीसरे दिन शनिवार को तीन दिवसीय आयोजन का समापन हुआ। अंतिम दिन जल क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों, तकनीकी कंपनियों, यूटिलिटी, ईपीसी कंपनियों, सलाहकारों, निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। अर्थ वाटर फाउंडेशन की ओर से और एसोचैम के लीड इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में आयोजित एक्सपो के 21वें संस्करण में कारोबार, तकनीकी प्रदर्शन, ज्ञान-विनिमय और बाजार तक पहुंच से जुड़े अवसरों पर जोर रहा। एक्सपो की थीम शेपिंग द फ्यूचर ऑफ वाटर थ्रू इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी एंड कोलैबोरेशन रही।

अंतिम दिन ईएडब्ल्यू वाटर एकेडमी के तहत ह्यईटीपी, एसटीपी एंड जेडएलडी डिजाइन कैलकुलेशन एंड ट्रबलशूटिंग विषय पर तकनीकी मास्टरक्लास आयोजित किया गया। डॉ. लोकेश कुमार के नेतृत्व में हुए इस सत्र में प्लांट इंजीनियरों, ऑपरेटरों, सलाहकारों, ईपीसी टीमों, यूटिलिटी एवं नगर निकाय के कर्मचारियों, औद्योगिक जल प्रबंधकों, युवा पेशेवरों और शोधकताओं ने हिस्सा लियाk

सत्र में डिजाइन कैलकुलेशन, प्लांट की तकनीकी समस्याओं के समाधान, अनुपालन और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई।

तीन दिनों के दौरान एक्सपो में बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकों और तकनीकी साझेदारी पर भी जोर रहा। ग्लोबल वाटर बिजनेस लाउंज में यूटिलिटी, ईपीसी कंपनियों, निवेशकों और निर्यातकों के लिए बी2बी बैठकों का मंच उपलब्ध कराया गया।

गवर्नमेंट एंड फैसिलिटेशन हब और एसईपीसी एक्सपोर्ट प्रमोशन एंड मार्केट इंफॉर्मेशन टेबल के जरिए बाजार और निर्यात से जुड़े अवसरों पर संवाद हुआ। वहीं इनोवेशन स्पॉटलाइट एरीना में नई तकनीकों, उत्पादों और स्टार्टअप समाधानों का प्रदर्शन किया

गया, जिससे तकनीकी कंपनियों को संभावित खरीदारों और निर्णय लेने वाले उद्योग प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिला।

पहले दिन का फोकस नेविगेटिंग इंडियाज वाटर ट्रांजिशनः टेक्नोलॉजी, पॉलिसी एंड सकुलैंरिटी पर रहा। इंडिया वाटर मैंडेट 2030 उद्घाटन सत्र, ड्राइविंग इंडस्ट्रियल वाटर सिक्योरिटी फॉर विकसित भारत 2047 विषय पर सीईओ वाटर लीडरशिप फोरम, इंडस्ट्रियल वाटर कैपेसिटी बिल्डिंग एंड स्किल डेवलपमेंट, स्मार्ट वाटर 4.0ः एआई, वेस्ट टू वेल्थः बिल्डिंग इंडियाज सर्कुलर वाटर इकोनॉमी और क्लाइमेट रेडीः ईएसजी, रेजिलिएंस एंड फ्यूचर वाटर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सत्र आयोजित हुए।

पहले दिन डॉ. राज भूषण चौधरी, मुख्य अतिथि, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ. अंबिका शर्मा, असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल, एसोचैम; सिद्धार्थ के. देसाई, को-चेयर, नेशनल काउंसिल ऑन वाटर, एसोचैम एवं किशोर पंप्स; तुबार्शु भट्टाचार्य, को-चेयर, नेशनल वाटर काउंसिल, एसोचैम एवं रोसर्व एनवायरो; शंकर वेंकटेश्वरन, इंडस्ट्री वेटरन एवं मॉडरेटर, एसोचैम नेशनल काउंसिल ऑन वाटर; अमित कपूर, चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर, आईओटीए ग्रुप एवं निको नैनोबबल; अनिरुद्ध दुबे, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, दिल्ली जल बोर्ड; तथा डॉ. डी. थारा, आईएएस, मंत्रालय आवासन एवं शहरी कार्य समेत विशेषज्ञों ने भाग लिया। दूसरे दिन का फोकस ग्लोबल वाटर बिजनेस एंड रेजिलिएंस पर रहा। वर्ल्ड सस्टेनेबल वाटर समिट, वाटर सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर एंड पार्टनरशिप्स तथा साउथ एशिया रेनवाटर फोरम के तहत वैश्विक बाजार में भारतीय जल कंपनियों के अवसर, जल अवसंरचना का वित्तपोषण, जल सुरक्षा, वर्षा जल संचयन, समुदायों की भागीदारी और नई तकनीकों पर चर्चा हुई।

दूसरे दिन श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, आईएएस, पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार; श्री प्रशांत कुमार, आईएएस, प्रधान सचिव, जल संसाधन, झारखंड सरकार; पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, जल संरक्षण विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता; डॉ. तनुजा अरियानंदा, सीईओ एवं कन्वीनर, सारनेट, लंका रेनवाटर हार्वेस्टिंग फोरम; श्री हान हेइजेन, अध्यक्ष, इंटरनेशनल रेनवाटर हार्वेस्टिंग अलायंस; सुश्री कर्मा उडेन, सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर, तारायणा फाउंडेशन, भूटान; डॉ. एस.वी. मुरुगन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, नेशनल एग्रो फाउंडेशन; श्री सलाहुद्दीन सैफी, प्रिंसिपल लीडझ्रवाटर मैनेजमेंट, एस.एम. सहगल फाउंडेशन; और सुश्री स्वाति भाटिया, डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर, वाटर प्रोग्राम, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट समेत विशेषज्ञ शामिल हुए। अर्थ वाटर फाउंडेशन की संस्थापक शिवानी घोरावत ने कहा, ह्लजल क्षेत्र के किसी मंच की सफलता इस बात से तय होती है कि उससे कितनी साझेदारियां और अवसर सामने आते हैं। इस संस्करण में तकनीकी कंपनियों, खरीदारों, यूटिलिटी, नीति-निमार्ताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर आने का अवसर मिला। इससे कारोबार, ज्ञान-विनिमय और सहयोग के लिए सार्थक अवसर बने हैं। अब हमारा फोकस इन संपर्कों को ऐसे समाधानों में बदलने पर है, जिन्हें बड़े स्तर पर लागू किया जा सके।

तीन दिनों में एक्सपो के माध्यम से जल क्षेत्र में तकनीक, कारोबार, बाजार तक पहुंच और ज्ञान-विनिमय को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया। आयोजन के दस्तावेज के अनुसार एक्सपो में 200 से अधिक प्रदर्शक, 5,000 से अधिक पेशेवर, 50 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक बी2बी बैठकों का लक्ष्य रखा गया था; अंतिम आंकड़े आयोजन के बाद पुष्टि किए जाने थे।

ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो का अगला दक्षिण भारत संस्करण फरवरी 2027 में हैदराबाद में और 22वां राष्ट्रीय संस्करण अगस्त 2027 में नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

रिलायंस-HSIIDC SEZ जमीन मामले से जुड़े रिकॉर्ड में पारदर्शिता और उन्हें सार्वजनिक करने की मांग

वर्ल्ड काउंसिल ऑन कॉस्मिक राइट्स एंड यूनिवर्सल जस्टिस' से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यकर्ता सरदार चरणजीत सिंह ने हरियाणा सरकार और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि वे रिलायंस-HSIIDC स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ) प्रोजेक्ट और उससे जुड़ी जमीन के सरकारी रिकॉर्ड और दस्तावेजों में पारदर्शिता सुनिश्चित करें और कानून के अनुसार उन्हें सार्वजनिक करें। सरदार चरणजीत सिंह एवं वरिष्ठ वकील बलराज मालिक ने कहा कि यह मामला जनहित से जुड़े अहम मुद्दों से संबंधित है, जिसमें जमीन का अधिग्रहण, जमीन का ट्रांसफर और इस्तेमाल, जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट, सरकारी मंजूरी और फैसले, और प्रोजेक्ट से जुड़ी लगभग 7200 एकड़ जमीन की मौजूदा कानूनी स्थिति, मालिकाना हक और अधिकार शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब कोई जानकारी किसी सरकारी प्राधिकरण के पास हो और 'सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005' के तहत उसे सार्वजनिक किया जा सकता हो, तो नागरिकों को कानून में बताई गई छूट और अन्य प्रावधानों के अधीन ऐसे

रिकॉर्ड तक पहुँचने का अधिकार है। इसलिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस मामले से जुड़ी सभी लंबित RTI अर्जियों पर कानून के अनुसार और तय समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करें और फैसला लें। सरदार चरणजीत सिंह ने कहा कि अगर जमीन के अधिग्रहण, ट्रांसफर और बाद के लेन-देन, साथ ही एऐ प्रोजेक्ट से जुड़े जॉइंट वेंचर समझौतों और अन्य सरकारी कार्यों को लागू कानूनों, नियमों, मंजूरियों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया गया है, तो कानूनी रूप से सार्वजनिक किए जा सकने वाले सभी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने से व्यापक जनहित सधेंगे और इस मामले से जुड़े संदेह या गलतफहमियां दूर करने में मदद मिलेगी।

वकील बलराज मालिक ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के दबाव में सरकारी विभाग काम कर रहे हैं उनका यह भी आरोप था कि आर टी आई विभाग और न्यायपालिका भी पूरी तरह से केंद्र सरकार के दबाव में हैं। सरदार चरणजीत सिंह व बलराज मलिक ने हरियाणा सरकार और ख्लरक्क्र्ख्र से मांग की कि वे कानून के दायरे में रहते हुए संबंधित रिकॉर्ड को सार्वजनिक करें प्रेस कॉन्फ्रेंस में चरणजीत सिंह ने साफ किया कि इस मांग को किसी पार्टी-विशेष की राजनीति या किसी व्यक्ति, कंपनी, संस्था या सरकारी अधिकारी पर गड़बड़ी के आरोप के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मांग कानून के मुताबिक पारदर्शिता, जवाबदेही और जानकारी पाने के अधिकार के लिए है। सरदार चरणजीत सिंह ने आगे कहा कि अगर सरकारी रिकॉर्ड की जाँच में कोई बड़ी गड़बड़ी या अनसुलझा कानूनी मुद्दा सामने आता है, तो संबंधित अधिकारी कानून के मुताबिक स्वतंत्र और निष्पक्ष समीक्षा पर विचार कर सकते हैं ताकि असल और कानूनी स्थिति को पूरी तरह से साफ किया जा सके।

शब्दवाणी समाचार

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

भारतीय स्टेट बैंक	2.19 प्रतिशत
इटरनल	1.57 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.52 प्रतिशत
आईटीसी	1.23 प्रतिशत
टीसीएस	0.80 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,49,724
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,28,350
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.34	93.27
पौंड स्टर्लिंग	130.17	125.58
यूरो	111.66	107.51
चीन युआन	14.99	13.27

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

विमानन क्षेत्र में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी : नायडू

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही महिला पायलटों की हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक औसत से काफी आगे है और अब इस सफलता को विमानन क्षेत्र के अन्य विभागों तक भी विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा केवल 5 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने इसे भारत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विमानन क्षेत्र के हर हिस्से में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। राम मोहन नायडू ने कहा कि नारी शक्ति भारत के विमानन विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। हमारे यहां 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक औसत केवल 5 प्रतिशत है। हम इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं और विमानन क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक अवसर पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने

- वर्तमान में भारत में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं मौजूद
- वैश्विक स्तर पर आंकड़ा केवल 5 प्रतिशत के आसपास
- 25 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही सरकार

हमेशा महिलाओं को विमानन क्षेत्र में प्रवेश करने, योगदान देने और नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया है। देश ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के मामले में भारत दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन उद्योग में महिला पायलटों की संख्या वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक है, जो देश की समावेशी सोच और अवसरों की उपलब्धता को दर्शाता है। नायडू ने स्पष्ट किया कि सरकार का 25 प्रतिशत का लक्ष्य केवल महिला पायलटों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे विमानन कार्यबल को शामिल करता है। इसमें हवाई अड्डों से जुड़े रोजगार, तकनीकी सेवाएं, प्रबंधन पद, नई उभरती तकनीकों और भविष्य की विमानन सेवाओं से जुड़े अवसर भी शामिल होंगे।

हवाई अड्डा संचालकों को एयरलाइन चलाने से नहीं रोकती कोई सरकारी नीति : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि ऐसी कोई सरकारी नीति नहीं है जो बड़े हवाई अड्डों के संचालकों को एयरलाइन कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी रखने या उनका संचालन करने से रोकती हो। हालांकि, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित कुछ हवाई अड्डों के समझौतों में स्वामित्व संबंधी कुछ प्रतिबंध मौजूद हैं। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने हवाई अड्डों और एयरलाइनों के बीच क्रॉस-ओनरशिप को लेकर सरकार का पक्ष स्पष्ट किया। मंत्री ने कहा, 'ऐसी कोई सरकारी नीति नहीं है जो प्रमुख हवाई अड्डों के ऑपरेटरों को एयरलाइनों में पर्याप्त हिस्सेदारी रखने या एयरलाइन संचालन से प्रतिबंधित करती हो। हालांकि सरकार ने यह भी बताया कि पीपीपी मॉडल पर विकसित कुछ हवाई अड्डों के लिए किए गए रियायत समझौतों में विशेष प्रावधान शामिल हैं। इन प्रावधानों के तहत अनुसूचित एयरलाइनों या उनसे संबंधित समूह कंपनियों एवं सहयोगी संस्थाओं के लिए हवाई अड्डा संचालन करने वाली कंपनियों में हिस्सेदारी रखने पर कुछ सीमाएं लगाई गई हैं। सरकार के अनुसार, 'पीपीपी मॉडल के तहत संचालित कुछ हवाई अड्डों के मौजूदा अनुबंधों में यह शर्त शामिल है कि अनुसूचित एयरलाइंस या उनसे जुड़ी संस्थाएं कंसेशनायर कंपनियों में इक्विटी हिस्सेदारी नहीं रख सकतीं।' इस बीच, सरकार ने यह भी पुष्टि की है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को इस संबंध में एक अनुरोध प्राप्त हुआ है, जिसमें संबंधित अनुबंध की उक्त शर्तों में छूट देने की मांग की गई है, जिससे किसी हवाई अड्डा संचालक के लिए एयरलाइन कारोबार में प्रवेश का रास्ता खुल सकता है।

डीजीएफटी ने दो प्रमुख योजनाओं में निर्यातकों को दी राहत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। निर्यातकों के लिए कारोबार को और आसान बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एडवांस ऑथराइजेशन (एए) और एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत एक्सपोर्ट ऑब्लिगेशन डिस्चार्ज सर्टिफिकेट (ईओडीसी) प्राप्त करने के लिए फिजिकल ड्यूटी भुगतान चालान जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, अब कस्टम्स और आइसगेट से प्राप्त लाइसेंस-आधारित स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतान संबंधी डेटा को डीजीएफटी की ऑनलाइन प्रणाली के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इससे संबंधित भुगतान की प्रमाणिक जांच सीधे संबंधित

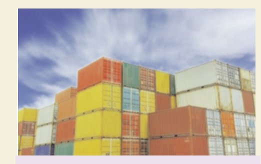

- फिजिकल ड्यूटी चालान जमा करने की अनिवार्यता खत्म की

प्राधिकरण के साथ डिजिटल रूप से की जा सकेगी। नई व्यवस्था के तहत 1 अगस्त 2026 या उसके बाद किए गए स्वैच्छिक ड्यूटी भुगतानों के लिए निर्यातकों को ऑथराइजेशन क्लोजर आवेदन के साथ फिजिकल चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

डीजीएफटी ने बताया कि भुगतान से जुड़ी प्रमाणित जानकारी अब निर्यातकों को डीजीएफटी ग्राहक पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इससे वे आवेदन करने से पहले यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि भुगतान सही ऑथराइजेशन के साथ मैप हुआ है या नहीं।

क्रॉम्पटन ने पेश किया अमियो एज एयर फ्रायर

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हेल्दी कुकिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते भारतीय रसोईघरों में एयर फ्रायर्स की लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है। जैसे-जैसे इस श्रेणी से जुड़ी उम्मीदें बदल रही हैं, ग्राहक ऐसे अप्लायंसेज़ की तलाश में हैं जो हेल्दी कुकिंग के साथ भरोसेमंद प्रदर्शन और रोज़मर्रा के उपयोग में सुविधा भी प्रदान करें। इन बदलती ज़रूरतों को समझते हुए, होम इनोवेशन के क्षेत्र में भारत का भरोसेमंद नाम 'क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड' न्यूट्रिगार्ड टेक्नोलॉजी से युक्त अमियो एज 5 लीटर एयर फ्रायर पेश करता है। इसे आधुनिक घरों में सेहतमंद विकल्प चुनना आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस लॉन्च पर क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के बिजनेस यूनिट हेड - किचन अप्लायंसेज़, आनंद कुमार एन ने कहा, क्रॉम्पटन में हमने उपभोक्ताओं की इन बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अमियो एज को विकसित किया है, ताकि हेल्दी कुकिंग के साथ भरोसेमंद प्रदर्शन और रोजमर्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इस इनोवेशन के केंद्र में हमारी न्यूट्रिगार्ड टेक्नोलॉजी है, जिसे बेहतर हीट रिटेंशन और भोजन के पोषक तत्वों को संरक्षित रखने में सहायता के लिए डिजाइन किया गया है। रोजमर्रा के उपयोग को आसान बनाने वाले सहज फीचर्स के साथ, हमें विश्वास है कि अमियो एज आधुनिक रसोईघरों के लिए एक उपयोगी उत्पाद साबित होगा और उपभोक्ताओं के लिए हेल्दी विकल्प अपनाना पहले से कहीं अधिक आसान बनाएगा।

जीईएम ने बदली सार्वजनिक खरीद की तस्वीर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले जहां इस प्लेटफॉर्म का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) केवल 422 करोड़ रुपए था, वहीं आज यह बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीईएम आज देश में पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और डिजिटल सरकारी खरीद

प्रणाली का मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर 12.28 लाख से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई) पंजीकृत हैं, जिनमें 2.25 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों द्वारा संचालित इकाइयां शामिल हैं। इसके अलावा 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स भी इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं।

पीयूष गोयल ने कहा कि यह

- 10 साल में 422 करोड़ से 1.55 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा कारोबार

साबित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर सशक्तीकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की वास्तविक प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में जीईएम ने प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, बेहतर मूल्य खोज सुनिश्चित की है, खरीद प्रक्रिया की अवधि को कम किया है, सरकार के लिए बड़ी बचत पैदा की है और एंड-टू-एंड डिजिटल खरीद प्रक्रिया के माध्यम से जवाबदेही को मजबूत किया है।

सार संक्षेप

वियतनाम नेशनल अथॉरिटी ऑफ़ टूरिज़्म ने वीएफ़एस ग्लोबल से साझेदारी की

नई दिल्ली। वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण ने भारत सहित अन्य प्रमुख स्रोत बाज़ारों में वियतनाम को एक पसंदीदा पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्व की अग्रणी विश्वसनीय प्रौद्योगिकी सेवाओं की कंपनी वीएफ़एस ग्लोबल, जो सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित वैश्विक गतिशीलता को सशक्त बनाती है, के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 6 अगस्त 2026 को हनोई में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण के अध्यक्ष गुयेन ट्रुंग खान्ह, उपाध्यक्ष सुश्री गुयेन थी होआ माई, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं पर्यटन संवर्धन विभाग के निदेशक श्री गुयेन कुई फुओंग, संस्कृति, खेल एवं पर्यटन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर की निदेशक गुयेन थी होआंग लान, वीएफ़एस ग्लोबल के मुख्य परिचालन अधिकारी (चीन, ऑस्ट्रेलेशिया एवं आरसीआईएस) साइमन पीची वीएफ़एस ग्लोबल के वियतनाम कंट्री मैनेजर श्रिशेन मुनियांडी, तथा संस्कृति, खेल एवं पर्यटन मंत्रालय, वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्राधिकरण और हनोई स्थित ब्रिटिश दूतावास के अन्य गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने पेश किया बैलेंस हाइब्रिड फंड

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े फंड हाउस एसबीआई म्यूचुअल फंड ने सोमवार को एसबीआई बैलेंस हाइब्रिड फंड पेश करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड बैलेंस्ड स्कीम है, जो केवल इक्विटी और डेट उपकरणों में निवेश करेगी। इस योजना में आर्बिट्राज की अनुमति नहीं है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश के लिए आवेदन 10 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक खुले रहेंगे। यदि खरीदी गई या फंड की किसी अन्य योजना से स्विच की गई इकाइयों का 10 प्रतिशत से अधिक आवंटन की तारीख से एक साल के भीतर या उससे पहले रिडीम या स्विच किया जाता है तो निवेश की राशि का एक प्रतिशत शुल्क देना होगा। आवंटन के एक साल के बाद निवेश की राशि निकालने पर या एक साल के भीतर 10 प्रतिशत तक राशि निकालने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

स्मार्टफोन का भविष्य होगा ज्यादा स्मार्ट, ज्यादा टिकाऊ

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन बाजार तेजी से बदल रहा है। अब लोग सिर्फ कम कीमत या अधिक फीचर्स वाले फोन पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि वे ऐसे स्मार्टफोन की तलाश में रहते हैं जो बेहतर अनुभव, लंबी बैटरी लाइफ, उन्नत कैमरा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स और आकर्षक डिजाइन का संतुलित मिश्रण पेश करें। खासकर युवा उपभोक्ता अब उन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं जो पहले केवल प्रीमियम और महंगे स्मार्टफोन्स तक सीमित थीं। हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्मार्टफोन उपयोगकर्ता एआई-आधारित सुविधाओं, बेहतर कैमरा गुणवत्ता, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, स्टाइलिश डिजाइन और मजबूत टिकाऊपन को प्राथमिकता दे रहे हैं।

मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुआ। उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद सेंसेक्स और निफ्टी50 में मामूली बढ़त देखने को मिली। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 43.27 अंक (0.06 प्रतिशत) चढ़कर 78,542.44 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत ऊपर 24,583.80 अंक पर रहा, जो एक सप्ताह का उच्चतम स्तर है।

वृहत बाजार में मिलाजुला रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.70 प्रतिशत मजबूत हुआ, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.27 प्रतिशत गिर गया।

सार्वजनिक बैंकों, तेल एवं गैस, फार्मा, एफएमसीजी और ऑटो सेक्टरों में गिरावट देखी गई। निजी बैंकों, रियल्टी, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु और रसायन सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे।

एनएसई में जिन 3,560 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,738 के सूचकांक

हरे निशान में और 1,702 के लाल निशान में रहे। अन्य 120 कंपनियों के सूचकांक अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 के शेयरों में तेजी रही। टाइटन का शेयर 3.14 फीसदी चढ़ा। बजाज फाइनेंस में 1.93 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 1.15, टाटा स्टील में 1.09 और

- सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत चढ़कर 78,542.44 अंक पर रहा
- निफ्टी 0.05 प्रतिशत ऊपर 24,583.80 अंक पर रहा

एशियन पेंट्स में 1.07 प्रतिशत की मजबूती रही। इंफोसिस, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर, बीईएल और मारुति सुजुकी के शेयर भी ऊपर बंद हुए।

नुकसान उठाने वालों में भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 2.19 प्रतिशत गिर गया। इटरनल का शेयर 1.57 प्रतिशत, एनटीपीसी का 1.52 और आईटीसी का 1.23 प्रतिशत फिसल गया। टीसीएस, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड और अडानी पोर्ट्स के शेयरों में भी गिरावट रही।

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.08 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.05 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.67 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.34 प्रतिशत ऊपर था, जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.16 प्रतिशत नीचे रहा।

फ्रेशर्स के लिए नौकरी के अवसर बढ़े, 75 प्रतिशत कंपनियां भर्ती के मूड में : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की दूसरी छमाही (जुलाई-दिसंबर) के दौरान भारत में फ्रेशर्स के लिए रोजगार के अवसर बेहतर हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत नियोक्ता फ्रेशर्स की भर्ती करने की योजना बना रहे हैं।

टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली छमाही में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत था, जो यह दर्शाता है कि एंट्री-लेवल नौकरियों को लेकर कंपनियों का भरोसा बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिटेल, ई-कॉमर्स, टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र फ्रेश ग्रेजुएट्स की मांग बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। इन सेक्टर्स में व्यावहारिक कौशल रखने वाले युवाओं के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सभी क्षेत्रों में भर्ती का माहौल एक जैसा नहीं है। कुछ उद्योगों में फ्रेशर्स की मांग में कमी भी देखने को मिली है। आईटी सेक्टर में फ्रेशर्स को नियुक्त करने

- एआई स्किल्स की मांग तेज

की मंशा वर्ष की पहली छमाही के 81 प्रतिशत से घटकर 76 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह कंसल्टिंग, टेलीकॉम और मार्केटिंग एवं विज्ञापन क्षेत्रों में भी फ्रेशर्स की भर्ती की इच्छा में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं मीडिया एवं एंटरटेनमेंट तथा शिक्षा सेवाओं में फ्रेशर हायरिंग इंटेंट में 2 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। टीमलीज एडटेक के संस्थापक एवं सीईओ शांतनु रूज ने कहा कि कंपनियां अब केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल-आधारित प्रतिभा की तलाश कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'नियोक्ता अब फ्रेशर्स से अधिक व्यावहारिक और जॉब-रेडी स्किल्स की अपेक्षा कर रहे हैं।

टेक्सटाइल, स्टील व आईटी सेक्टर को प्राथमिकता देगी बंगाल सरकार

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार इस महीने अपनी नई औद्योगिक नीति को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है। राज्य सचिवालय नबन्ना के सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित नई औद्योगिक नीति में उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें छोटे सहायक उद्योगों की मांग अधिक होती है। सरकार का मानना है कि ऐसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने से बड़े उद्योगों के साथ-साथ छोटे और मध्यम कारोबारों को भी विकास के अधिक अवसर मिलेंगे।

इसके अनुसार, राज्य सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में सहायक उद्योगों की ज्यादा मांग वाले कुछ सेक्टर की पहचान पहले ही कर ली गई है, ताकि प्रस्तावित नई औद्योगिक नीति में उन्हें प्राथमिकता दी जा सके। ये सेक्टर टेक्सटाइल और गारमेंट, लोहा और स्टील, भारी बिजली के उपकरण, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स हैं।

'इंडस्ट्री के लिए जमीन' से जुड़ी नई पॉलिसी का ब्लूप्रिंट फाइनल करने के लिए 11 अगस्त को राज्य सचिवालय में एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसकी अध्यक्षता राज्य के कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर तपस रॉय करेंगे और इसमें हिस्सा लेने व अपने सुझाव देने के लिए उद्योगपतियों और इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बैठक में राज्य सरकार औद्योगीकरण और निवेश आकर्षित करने की अपनी योजनाओं की रूपरेखा पेश करेगी। इसमें उन सेक्टरों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां सहायक उद्योगों की भारी मांग है।

भारत के बायोटेक सेक्टर में निजी निवेश बढ़ाने पर जोर : : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को भारत के बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी बायोटेक उत्पादों और तकनीकों को उद्योग तथा निवेशकों से मजबूत समर्थन मिलना चाहिए, ताकि प्रयोगशालाओं में विकसित होने वाले नवाचार तेजी से बाजार तक पहुंच सकें और उनका व्यावसायीकरण हो सके।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता, उद्योग और निवेशकों के बीच मजबूत तालमेल स्थापित करना समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि इससे देश में विकसित नई तकनीकों और उत्पादों को तेजी से व्यावसायिक सफलता मिल सकेगी और भारत वैश्विक बायोटेक हब के रूप में उभर सकेगा।

बैठक में बीआईआरएसी रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन फंड (बीआईआरएसी-आरडीआईएफ) के क्रियान्वयन, उद्योग की भागीदारी बढ़ाने, लाइफ साइंसेज ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को भारतीय बायोटेक पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ने, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) निवेश को बढ़ावा देने और बायोटेक स्टार्टअप्स के लिए

- स्वदेशी नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी

निवेशकों से बेहतर जुड़ाव जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बयान में कहा गया कि बीआईआरएसी-आरडीआईएफ केंद्र सरकार के 1 लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) फंड का अहम हिस्सा है, जिसका उद्देश्य गहन तकनीकी (डीप-टेक) नवाचारों और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत बायोटेक सेक्टर में तकनीकी रूप से उन्नत और उच्च जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस फंड के तहत स्टार्टअप्स और उद्योगों को 5 करोड़ रुपए से लेकर 200 करोड़ रुपए तक की सहायता मिल सकेगी। वहीं, कुल परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

खराब खान-पान की वजह से वजन बढ़ना आम समस्या

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आज के समय में वजन बढ़ना बहुत आम समस्या हो गई है। खराब खान-पान, घंटों बैठकर काम करना, कम चलना-फिरना और बिगड़ी हुई दिनचर्या की वजह से बड़ी संख्या में लोग अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान हैं। ऐसे में लोग वजन कम करने के लिए डाइट के साथ-साथ एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं। खासकर सुबह के समय वर्कआउट करना काफी लोगों को पसंद होता है।

कुछ लोग सुबह उठते ही बिना कुछ खाए जिम या पार्क पहुंच जाते हैं। उनका मानना होता है कि खाली पेट एक्सरसाइज करने से शरीर ज्यादा चर्बी कम करता है और वजन जल्दी कम होता है। लेकिन वैज्ञानिक नजरिया इस पर कुछ और है। दरअसल, वजन कम करने के लिए पूरे दिन में आप कितनी कैलोरी लेते हैं, कितनी ऊर्जा खर्च करते हैं, आपकी डाइट कैसी है और आप कितनी नियमितता से एक्सरसाइज करते हैं - इन सभी चीजों की अहम भूमिका होती है। इसलिए केवल खाली पेट वर्कआउट को वजन कम करने का आसान तरीका समझना सही नहीं है।

अगर आप सुबह उठकर बिना कुछ खाए एक्सरसाइज करते हैं, तो आपको जल्दी थकान महसूस हो सकती है। रात के खाने के बाद

- खाली पेट व्यायाम करते समय कमजोरी, सिर घूमने या बेचैनी जैसी परेशानी
- संतुलित खाना, प्रोटीन, अच्छी नींद व पर्याप्त पानी वजन कम करने में मददगार

सुबह तक शरीर को कई घंटे तक खाना नहीं मिलता। ऐसे में अगर इसके तुरंत बाद आप तेज दौड़ना, भारी वजन उठाना या हैवी एक्सरसाइज शुरू कर देते हैं, तो शरीर को पर्याप्त ऊर्जा देने में समस्या हो सकती है।

कुछ लोगों को खाली पेट एक्सरसाइज करते समय कमजोरी, सिर घूमने या बेचैनी जैसी परेशानी भी होती है। खासकर अगर उन्होंने पर्याप्त पानी का सेवन नहीं किया है या एक्सरसाइज बहुत ज्यादा तेज है। ऐसे समय में शरीर के संकेतों को नजरअंदाज करके वर्कआउट करते रहना ठीक नहीं है। अगर एक्सरसाइज के दौरान चक्कर आए, बहुत कमजोरी लगे या तबीयत खराब महसूस हो तो तुरंत रुक जाना चाहिए।

एक्सरसाइज के दौरान खाली पेट शरीर फैट को ऊर्जा के लिए इस्तेमाल करता है, लेकिन इससे वजन कम नहीं होता।

वजन कम करते समय एक और जरूरी बात, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज करते हैं, वो है मांसपेशियां। अगर कोई व्यक्ति बहुत कम खाना खाता है और लगातार एक्सरसाइज करता है, तो वजन कम होने के साथ मांसपेशियां भी कम हो सकती हैं। इसलिए वजन घटाने के दौरान पर्याप्त प्रोटीन और सही मात्रा में खाना लेना जरूरी है। साथ ही वजन उठाने वाली एक्सरसाइज भी शरीर को मजबूत बनाए रखने में मदद करती है। सबसे जरूरी बात यह है कि वजन घटाने के लिए किसी एक तरीके पर निर्भर रहने के बजाय पूरी दिनचर्या पर ध्यान देना चाहिए। संतुलित खाना, पर्याप्त प्रोटीन, नियमित एक्सरसाइज, अच्छी नींद और पर्याप्त पानी वजन कम करने में मददगार होते हैं।

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर अमृता खानविलकर हुईं सख्त

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी।

शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 7 में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। अब शादी के कई साल बाद दोनों की निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आने के बाद अमृता ने कानूनी बयान जारी किया है।

छोटी लापरवाही बन सकती है डायरिया का कारण

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। डायरिया यानी दस्त एक आम बीमारी लग सकती है, लेकिन अगर समय रहते सही देखभाल न की जाए तो यह खासकर छोटे बच्चों के लिए गंभीर समस्या बन सकती है। हालांकि डायरिया से बचाव कोई मुश्किल काम नहीं है। हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें बच्चों और पूरे परिवार को इस बीमारी से काफी हद तक सुरक्षित रख सकती हैं।

सबसे जरूरी है हाथों की सफाई। खाना खाने या खिलाने से पहले और शौचालय का इस्तेमाल करने के बाद साबुन और साफ पानी से हाथ जरूर धोने चाहिए। कई बार गंदे हाथों के जरिए कीटाणु खाने और पानी तक पहुंच जाते हैं और यही डायरिया की बड़ी वजह बनते हैं। साफ और सुरक्षित पीने का पानी भी बेहद जरूरी है। घर में इस्तेमाल होने वाले पानी को साफ और ढककर रखे गए बर्तनों में रखना चाहिए। बच्चों को हमेशा साफ और सुरक्षित पानी ही पिलाएं। पानी को खुले बर्तन में रखने से उसमें गंदगी और कीटाणु पहुंच सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

छोटे बच्चों के लिए जन्म के बाद पहले 6 महीने तक केवल मां का दूध ही दिया जाता है। इसके बाद उम्र के हिसाब से पौष्टिक और सही पूरक आहार देना चाहिए। मां का दूध बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है और कई संक्रमणों से बचाव करता है। घर और आसपास की साफ-सफाई पर भी ध्यान देना जरूरी है।

शौच के लिए हमेशा शौचालय का इस्तेमाल करें और बच्चों को भी इसकी आदत डालें। नालियों और आसपास जमा गंदगी की नियमित सफाई करें, क्योंकि गंदा वातावरण बीमारियों को बढ़ावा दे सकता है। अगर बच्चे या किसी अन्य व्यक्ति को डायरिया हो जाए तो शरीर में पानी की कमी न होने दें। ऐसे समय में ओआरएस और जिंक दिया जा सकता है। इसके बाद मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ले जाएं।

जन्माष्टमी से पहले यूपीएसटीडीसी ने शुरू किया 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं को ब्रज धाम की आध्यात्मिक यात्रा का विशेष उपहार देते हुए 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने तीन दिन और दो रात का 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज शुरू किया है।

इस विशेष पैकेज के तहत श्रद्धालुओं को मथुरा, वृंदावन, गोकुल और बरसाना समेत भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा का शुभारंभ लखनऊ से सुबह आठ बजे होगा। अधिकारियों के अनुसार यह पैकेज आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ कृष्ण-ब्रज सर्किट को और मजबूत करेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान की व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश की धार्मिक पर्यटन विरासत को देश-विदेश के अधिकाधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से कृष्ण-ब्रज सर्किट को मजबूती मिलेगी और श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रमुख लीलास्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। सिंह ने कहा कि ब्रज क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा यहां लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या से लगाया जा सकता है। वर्ष 2025 में मथुरा में 10.24 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि ब्रज रंगोत्सव-2025 में 44 लाख से अधिक लोगों ने सहभागिता की। वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में ही करीब 1.90 करोड़ पर्यटकों के आगमन से स्पष्ट है कि ब्रज क्षेत्र देश के तेजी से उभरते आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

परिवारों एवं छोटे समूहों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए टूर पैकेज को किफायती दर पर तैयार किया गया है। यात्रियों के लिए वातानुकूलित सेडान और क्रिस्टा वाहनों की व्यवस्था की गई है। सेडान वाहन का पैकेज प्रति व्यक्ति 10,400 रुपए, जबकि क्रिस्टा वाहन का पैकेज प्रति व्यक्ति

- यात्रियों के लिए वातानुकूलित सेडान और क्रिस्टा वाहनों की व्यवस्था
- पैकेज में आवास, नाश्ता, जलपान, हाई-टी, प्रशिक्षित गाइड और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण जैसी सुविधाएं

10,150 रुपए निर्धारित किया गया है। दोनों श्रेणियों में यात्रा के लिए कम से कम दो यात्रियों का होना अनिवार्य है। पैकेज में आवास, नाश्ता, जलपान, हाई-टी, प्रशिक्षित गाइड और स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि दोपहर और रात्रि के भोजन की व्यवस्था तथा उसका खर्च यात्रियों को स्वयं वहन करना होगा।

तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन श्रद्धालुओं को वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर, रंगजी मंदिर, निधिवन, वैष्णो देवी मंदिर, अक्षय पात्र मंदिर और प्रेम मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। दूसरे दिन मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारकाधीश मंदिर, विश्राम घाट, भूतेश्वर महादेव मंदिर, गोवर्धन धाम, संग्रहालय, गीता मंदिर, पोतरा कुंड और गोकुल गांव का भ्रमण कराया जाएगा।

तीसरे और अंतिम दिन श्रद्धालु बरसाना स्थित राधारानी मंदिर, इस्कॉन मंदिर और श्री राधा दामोदर मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

यूपीएसटीडीसी के अध्यक्ष अमृत अभिजात ने कहा कि 'कृष्ण लीला' टूर पैकेज को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आध्यात्मिक अनुभव को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल यात्रियों को ब्रज क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों का सहज दर्शन कराने के साथ वहां की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराएगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह पैकेज देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के बीच ब्रज सर्किट को विशिष्ट पहचान दिलाने के साथ उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करेगा।

शारदा यूथ ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखायी अपनी प्रतिभा

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स सोसाइटी एवं ऑफिस ऑफ डीन, स्टूडेंट्स' वेलफेयर ने द्वितीय शारदा यूथ ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया। प्रतियोगिता में गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर कैटेगरी के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। प्रतियोगिता की विभिन्न कैटेगरी में स्कूलों के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। सीनियर कैटेगरी में रयान इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने प्रथम स्थान, जबकि जूनियर कैटेगरी में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा एक्सटेंशन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कैडेट कैटेगरी में अरवाचिन स्कूल, दिल्ली ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। स्कूलों के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रतियोगिता के स्तर को और ऊंचा किया। सीनियर कैटेगरी में शारदा विश्वविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की ओर से प्रिया कोरंगा, मौली शर्मा और मृदुल भारद्वाज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी कैटेगरी में स्वर्ण पदक हासिल किए। विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं स्पोर्ट्स सोसाइटी ने सभी विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना और उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, खेल भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा।

भेकासन से शरीर में आएगी नई ऊर्जा व लचीलापन

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है। भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं। भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है। इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की

मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने से मांसपेशियों में खिंचाव आता है और धीरे-धीरे उनकी ताकत बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा फुर्तीला और मजबूत बनता है।

भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है। इसे करने से शरीर के कई हिस्सों पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। खासकर हाथ, पैर, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना अभ्यास से शरीर में एक अलग ही मजबूती का एहसास होता है। भेकासन करने के लिए सबसे पहले आराम से पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को पीछे की ओर लेकर सिर के करीब लाने की कोशिश करें। दोनों हाथों से अपने टखनों या पैरों को पकड़ लें। ध्यान रखें कि छाती जमीन से लगी रहे और सांस सहज बनी रहे। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक टिके रहें, फिर धीरे-धीरे पैरों को खोलकर आराम करें।

सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग का आगाज

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देश के उभरते क्रिकेट सितारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अवसर प्रदान करने की दिशा में एस.टी.सी.एल. स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) के राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज अभियान का शुभारंभ किया। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल ली मेरिडियन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लीग की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च कर देशभर में होने वाले ओपन ट्रायल की घोषणा की गई। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा, पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा, एसटीसीएल के चेयरमैन राजेश झा, वाइस चेयरमैन रवि चिकारा और डायरेक्टर मुकेश कुमार सिंह सहित क्रिकेट जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसटीसीएल के कमिश्नर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा,

'हर खिलाड़ी में कुछ बड़ा हासिल करने की क्षमता होती है, लेकिन उस प्रतिभा को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है। हमारा उद्देश्य देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, कोचिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। क्रिकेट ने हमें बहुत कुछ दिया है और अब समय है कि हम देश के युवा खिलाड़ियों को कुछ वापस दें। सैल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग में देशभर की 8 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी।

'बोल बम' की गूंज के साथ उमड़ा जनसमुद्र

सवन के दूसरे सोमवार पर भक्ति-उल्लास का अनूठा नजारा

देवघर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में आस्था का समुद्र उमड़ पड़ा है। तड़के तीन बजे से पूरा शहर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज रहा है।

बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कांवरियों की भीड़ से देवघर की सड़कें केसरिया रंग में रंग गई हैं। मंदिर से लेकर कांवरिया पथ तक हर तरफ श्रद्धा और उत्साह का अनूठा माहौल है। वैद्यनाथ धाम में सदियों से प्रतिष्ठापित बाबा वैद्यनाथ की मनोकामना ज्योतिर्लिंग पर जलार्पण के लिए रविवार देर रात से ही कांवरियों की कतार लगनी शुरू हो गई थी।

सोमवार सुबह मुख्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार मंदिर से करीब 20 किलोमीटर दूर कुमैठा स्टेडियम तक पहुंच गई। वहीं, बाह्य अरघा से जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की कतार सरदार पंडा लाइन, शिवगंगा लेन और वीआईपी गेट के सामने तक फैली रही। प्रशासन के अनुसार, इस कतार में करीब 70 से 80 हजार श्रद्धालु शामिल रहे। सुबह 3.05 बजे बाबा मंदिर का पट खोला गया। पट खुलने के बाद पुरोहित समाज ने बाबा की पारंपरिक कच्चा जल पूजा की। करीब 15 मिनट तक चली इस पूजा में विश्व कल्याण की कामना की गई।

नदी पर बैराज बनने से नष्ट हो जाएगी सरयू की जैवविविधता

भौतिकता के बजाय वेटलैंड संरक्षण और बर्ड वाचिंग से इको-टूरिज्म बढ़ाएं

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 10 अगस्त (देशबन्धु)। सुबह की पहली किरण जब सरयू के जल पर गिरती है, तो लगता है जैसे नदी खुद रामकथा सुना रही हो। घाटों पर श्रद्धालु स्नान करते हैं, घंटियों की ध्वनि गूंजती है और दूर कहीं पानी की सतह पर डॉल्फिन की पीठ चमक जाती है। घड़ियाल धूप सेंकते नजर आते हैं, कछुए रेत पर रेंगते हैं। यह सिर्फ एक नदी नहीं, उत्तर भारत की उन दुर्लभ नदियों में से एक है जो अभी भी सांस ले रही है, कम प्रदूषित, जीवंत और पौराणिक। लेकिन अब इस पवित्र धारा पर भौतिकता की नजर पड़ने लगी है। धार्मिकता के लबादे में छिपी पर्यटन होड़ नयाघाट से गुप्तारघाट तक क्रूज, फ्लोटिंग रेस्तरां और आधुनिक सुविधाओं की योजनाएं बना रही है। इनके लिए सरयू पर बैराज का प्रस्ताव पर्यावरण मंत्रालय में

अटका पड़ा है। अगर हरी झंडी मिल गई, तो नदी का चरित्र हमेशा के लिए बदल जाएगा। जो आज स्वतंत्र बहती है, वह कल नियंत्रित पानी का जलाशय बनकर रह जाएगी।

पर्यावरणविद् अभिषेक दूबे, जो सरयू और उसकी सहायक नदियों पर अध्ययन कर रहे हैं, चेतावनी देते हैं कि घाघरा

(सरयू) और टेढ़ी नदी के संगम के निकट प्रस्तावित बैराज दोनों नदियों की जैवविविधता पर भारी असर डालेगा। इस क्षेत्र में लुप्तप्राय गंगेय डॉल्फिन, घड़ियाल और कई प्रजातियों के कछुओं की अच्छी आबादी रहती है। सर्वेक्षणों में सरयू-घाघरा के विभिन्न हिस्सों में डॉल्फिन और घड़ियाल की उल्लेखनीय संख्या दर्ज की गई है। बैराज इन जीवों के आवास, प्रवास और प्रजनन को बाधित कर सकता है। दूबे बताते हैं कि घाघरा भारी मात्रा में गाद लेकर बहती है। बैराज बनने से ऊपर की ओर गाद जमा होगी, जलस्तर बढ़ेगा और अपस्ट्रीम में बाढ़ का खतरा और विकराल हो सकता है। पानी छोड़ने पर डाउनस्ट्रीम में भी अचानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। घाघरा का विस्तृत बाढ़ क्षेत्र कई महत्वपूर्ण वेटलैंड बनाता है। बैराज से ये वेटलैंड नष्ट होने का खतरा है, जिससे पक्षियों और अन्य जलीय-स्थलीय जीवों का आश्रय समाप्त हो जाएगा। इस अमूल्य जैवसंपदा को नुकसान पहुंचाने के बजाय प्रशासन को इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। नदी को डॉल्फिन, घड़ियाल और कछुओं के लिए और अधिक अनुकूल बनाया जाए, ताकि अयोध्या के घाटों से लोग इन जीवों को निहार सकें।

इससे रामनगरी वन्यजीव प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकती है। साथ ही घाघरा के कछार के महत्वपूर्ण वेटलैंड जैसे मांझा जमथरा का संरक्षण कर बर्ड वाचिंग आधारित इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। इससे स्थानीय रोजगार भी पैदा होंगे और पर्यावरण भी बचेगा।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

प्रधानमंत्री मोदी के सामने बॉक्सर ने सुनाया भारत-पाक मुकाबले का दिलचस्प किस्सा...

जब पाक मुक्केबाज बोले, नरेंदर नाम से मुझे हो गई है नफरत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए।

इसका वीडियो सोमवार को यूट्यूब पर जारी किया गया। हैवीवेट बॉक्सर और सिल्वर मेडलिस्ट नरेंदर बेरवाल ने 2015 वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में पाकिस्तान के एक बॉक्सर के साथ हुए मुकाबले का दिलचस्प किस्सा सुनाया। यह सुनकर प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।

पाक से नहीं हारना है

नरेंदर बेरवाल ने बताया कि 2015 वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में उनका पहला मुकाबला पाकिस्तान के बॉक्सर से हुआ था। मुकाबले से पहले भारतीय सेना की ओर से उन्हें खास तौर पर कहा गया था कि पाकिस्तान से हारना नहीं है। बेरवाल ने बताया कि उन्होंने पहला राउंड 4-1 और दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। मुकाबले के दौरान दोनों खिलाड़ियों के सिर आपस में टकरा गए और दोनों घायल हो गए। फाइट खत्म होने के बाद दोनों को इलाज और टांके लगवाने के लिए अस्पताल जाना पड़ा।

आपका नाम नरेंदर, कोच का नाम नरेंदर और पीएम भी नरेंदर

बेरवाल ने बताया कि अस्पताल में पाकिस्तानी बॉक्सर ने उनसे कहा, भाईजान, एक बात बोलूं? बेरवाल ने कहा कि उन्होंने जवाब दिया, हां, बोलो। इसके बाद पाकिस्तानी बॉक्सर ने मजाकिया अंदाज में कहा, आपका नाम नरेंदर है, आपके कोच का नाम नरेंदर है और आपके प्रधानमंत्री का नाम भी नरेंदर है। मुझे नरेंदर नाम से नफरत हो गई है। बेरवाल के कोच का नाम नरेंदर राणा था। प्रधानमंत्री मोदी के सामने यह किस्सा सुनाते हुए बेरवाल ने 11 साल पुराने मुकाबले की यादें साझा कीं। उनकी बात सुनकर पीएम मोदी भी हंस पड़े।

मीराबाई चानू के आंसुओं का भी किया जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के कॉमनवेल्थ गेम्स में प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पोडियम पर चानू की आंखों से बह रहे आंसू उन्हें ऐसे लगे, जैसे हर बूंद के साथ गोल्ड मेडल टपक रहा हो। मीराबाई चानू ने बताया कि पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने के बाद उनके लिए पिछले चार साल काफी मुश्किल रहे। इस दौरान उन्हें चोटों और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद पोडियम पर राष्ट्रगान के दौरान वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। चानू ने 48 किलोग्राम महिला वेटलिफ्टिंग वर्ग में कुल 190 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। बॉक्सर जादुमणि सिंह ने भी पाकिस्तान के खिलाफ अपने मुकाबले का अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। उन्होंने 26 जुलाई को प्री-क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के रहमान सुमामा को 5-0 से हराया था। यह मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। जादुमणि ने कहा कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करनी है। जीत के बाद उन्होंने अपना मेडल कारगिल के वीरों को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके जज्बे की सराहना की।

सीमा बोलीं

अब दोस्तों से कहूंगी, हां, मोदी जी से मिली हूं: हरियाणा की डिस्कस थ्रोअर सीमा कालीरमन ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात का मजेदार अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके दोस्त अक्सर उनसे मजाक में पूछते थे कि क्या उन्होंने मोदी से मुलाकात की है। सीमा ने कहा कि अब वह गर्व से अपने दोस्तों को बता सकेंगी कि हां, वह प्रधानमंत्री मोदी से मिली हैं। उन्होंने डिस्कस थ्रो में 58.65 मीटर का प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता।

लवलीना ने गलत नक्शे पर जताई थी आपत्ति

मुलाकात के दौरान बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन से जुड़ा एक प्रसंग भी सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि ग्लासगो के एक रेस्टोरेंट में भारत का गलत नक्शा देखकर लवलीना ने आपत्ति जताई थी और कर्मचारियों से उसे ठीक करने के लिए कहा था। प्रधानमंत्री ने लवलीना के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि पदक जीतने की खुशी के बीच भी उन्होंने नक्शे की गलती को पहचाना। यह उनकी सजगता को दिखाता है।

दलीप महादु गावित ने कोच को समर्पित किया मेडल

पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने अपना स्वर्ण पदक अपने कोच को समर्पित किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के दिन गुरु पूर्णिमा थी, इसलिए उन्होंने अपना मेडल अपने गुरु को गिफ्ट कर दिया। दिलीप ने पैरा टी47 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। पीएम ने खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में उनके आवास पर नियमित रूप से मिलने वालों में खिलाड़ी प्रमुख रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, लगातार सफलता और नई ऊंचाइयों को छूने की परंपरा ने देश का गौरव बढ़ाया है।

► भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज

श्रीलंका में फिर चलेगा जडेजा का जादू, मेजबान टीम के खिलाफ जबरदस्त है उनका टेस्ट रिकॉर्ड

● गॉल / (एजेंसी)

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में रवींद्र जडेजा पर सबकी नजरें रहेंगी। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है और स्पिन मददगार परिस्थितियों में वह एक बार फिर भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं।

जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ सात टेस्ट में 326 रन बनाए हैं। नौ पारियों में उनका बल्लेबाजी औसत 65.20 रहा है। उनके नाम एक शतक और एक अर्धशतक है, जबकि नाबाद 175 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है। गेंदबाजी में भी जडेजा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 33 विकेट लिए हैं और दो बार पारी में पांच विकेट झटके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/41 रहा है।

साल 2022 में मचाया था जमकर तहलका

मार्च 2022 के मोहाली टेस्ट में जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ यादगार प्रदर्शन किया था। उन्होंने नाबाद 175 रन बनाने के बाद गेंदबाजी में 5/41 और 4/46 के आंकड़े दर्ज किए और मैच में कुल नौ विकेट झटके। भारत ने यह मुकाबला पारी और 222 रन से जीता था।

400 विकेट से 52 कदम दूर

जडेजा के नाम टेस्ट क्रिकेट में फिलहाल 348 विकेट हैं और वह 400 विकेट के आंकड़े से 52 विकेट दूर हैं। गॉल की स्पिन अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय टीम को उनसे बल्ले और गेंद दोनों से मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

कोटक बोले : ज्यादा प्रैक्टिस भी ठीक नहीं...

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्म-अप मैच में मिली जीत को भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बेहद उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि मैच जैसी परिस्थितियों में खेलने का फायदा अतिरिक्त अभ्यास सत्रों से ज्यादा मिलता है। भारत ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन को छह विकेट से हराया। कोटक के मुताबिक, इस मुकाबले से खिलाड़ियों को अपनी लय, तकनीक और मानसिक तैयारी परखने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि कुछ अतिरिक्त अभ्यास दिनों की तुलना में मैच का अनुभव टीम के लिए अधिक फायदेमंद रहा।

कुलदीप के साथ फिर न हो जाए खेला...

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में जगह को लेकर चर्चा तेज है। श्रीलंका इलेवन के खिलाफ कुलदीप ने पहली पारी में 18 ओवर गेंदबाजी कर दो विकेट लिए, लेकिन दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की। हालांकि स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने साफ किया कि कुलदीप को कोई फिटनेस समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि कुलदीप मैच से पहले भी कुछ ओवर गेंदबाजी कर चुके थे और दूसरी पारी में शरीर की प्रतिक्रिया समझने के लिए ब्रेक लिया। गॉल की स्पिन मददगार परिस्थितियों में कुलदीप मजबूत विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अब तक 18 टेस्ट में 79 विकेट लिए हैं। हालांकि जडेजा की मौजूदगी और टीम कॉम्बिनेशन के कारण अंतिम फैसला दिलचस्प होगा।

कभी बनाया था वर्ल्ड चैंपियन...

अब उसी के खिलाफ रणनीति बनाएंगे कर्स्टन

भारतीय टीम को 2011 वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कोच गैरी कर्स्टन अब उसी टीम के खिलाफ रणनीति तैयार कर रहे हैं। श्रीलंका के मौजूदा हेड कोच कर्स्टन भारत के अभ्यास मैच को देखने के लिए कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पहुंचे। कर्स्टन ने मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों की तैयारियों पर नजर रखी। इस दौरान उनकी गुरनूर बराड़, मानव सुथार और थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु से भी बातचीत हुई। बराड़ और सुथार से उनका पुराना परिचय है, जब कर्स्टन गुजरात टाइटन्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे।

6 गेंदों पर 6 छक्के

इंग्लैंड में टोबी अल्बर्ट ने बल्ले से मचाई तबाही...

● लंदन / (एजेंसी)

इंग्लैंड में खेले जा रहे मेट्रो बैंक वनडे कप में हैम्पशायर के टोबी अल्बर्ट ने तूफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया। उन्होंने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़कर गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी।अल्बर्ट ने यह कारनामा दो अलग-अलग ओवरों में पूरा किया। पहले उन्होंने नान्टेस ओस्टहुइज़ेन की आखिरी दो गेंदों पर छक्के लगाए। इसके बाद अगले ओवर में ओली किर्टले की लगातार चार गेंदों को भी उन्होंने छक्के के लिए भेज दिया। इस तरह लगातार छह गेंदों पर छह छक्के पूरे हुए। अल्बर्ट ने 37 गेंदों में 86 रन की पारी खेली, जिसमें पांच चौके और आठ छक्के शामिल रहे। उनकी पारी के दम पर हैम्पशायर ने ससेक्स के खिलाफ 50 ओवर में नौ विकेट पर 383 रन बनाए। अली ओर (105) और 18 वर्षीय बेन मेस (109) ने भी शतक जड़े। जवाब में ससेक्स 332 पर ऑलआउट हो गई।

तीन मैच में 9 विकेट इंग्लैंड में छाए चहल

टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद बढ़ी

● लंदन / (एजेंसी)

टीम इंडिया से बाहर चल रहे लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल इंग्लैंड में अपनी शानदार फॉर्म से लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

डोमेस्टिक वनडे कप 2026 में नॉर्थहैम्पशायर की ओर से खेलते हुए चहल ने समरसेट के खिलाफ 10 ओवर में एक मेडन के साथ तीन विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के दम पर समरसेट 185 रन पर ऑलआउट हुआ और

नॉर्थहैम्पशायर ने सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। चहल ने पिछले तीन मैचों में नौ विकेट झटके हैं। समरसेट के खिलाफ उन्होंने आर्ची वॉन, जैक लीच और जेक बॉल को अपना शिकार बनाया। इस सीजन चहल अब तक सात मैचों में 21 की औसत से 15 विकेट ले चुके हैं। उनकी इकॉनमी 4.56 रही है।

भोपाल कुराश बालक वर्ग में बना ओवरऑल चैंपियन

बालिका वर्ग में रहा रनर-अप

● भोपाल / (एजेंसी)

मंदसौर में 7-8 अगस्त को आयोजित 12वीं राज्य सब-जूनियर कुराश प्रतियोगिता में भोपाल ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रदेश के 22 जिलों से करीब 400 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

भोपाल ने बालक वर्ग में ओवरऑल चैंपियन और बालिका वर्ग में ओवरऑल रनर-अप का खिताब हासिल किया। सृष्टि जायसवाल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। भोपाल के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल 9 स्वर्ण, 11 रजत और 16 कांस्य पदक जीते। एमेच्योर कुराश एसोसिएशन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष विवेक स्वामी एवं सचिव राहुल व्यास ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। भोपाल के खिलाड़ियों की इस सफलता से जिले के खेल जगत में खुशी का माहौल है।

अपर लेक पर आज से राजा भोज नेशनल सेलिंग का रोमांच

भोपाल, खेल संवाददाता। अपर लेक स्थित बोट क्लब पर 11 से 16 अगस्त तक राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप (रैंकिंग) 2026 का आयोजन होगा। छह दिवसीय इस प्रतियोगिता में 12 राज्यों के करीब 100 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेलर्स हिस्सा लेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ी रफ्तार, संतुलन और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करेंगे। याचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तकनीकी मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का संचालन होगा, जिसमें 12 ज्यूरी सदस्य एवं पदाधिकारी शामिल रहेंगे। आयोजन से प्रदेश के युवा सेलर्स को देश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा। लगातार राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के चलते भोपाल देश में वाटर स्पोर्ट्स हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप

11 साल की बोधना और 17 साल के श्रेयस ने रचा इतिहास

● लंदन / (एजेंसी)

भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉय ने 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया। बोधना ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बनीं, जबकि श्रेयस ने ओपन वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने रोमांचक रैपिड प्लेऑफ में 14 वर्षीय आयरिश खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को हराकर महिला खिताब जीता। कोविड लॉकडाउन के दौरान शतरंज शुरू करने वाली बोधना इससे पहले ब्लिट्ज और रैपिड में भी ब्रिटिश खिताब जीत चुकी हैं। वहीं, श्रेयस ने नौ दौर के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स को पछाड़ा और अपना पहला ब्रिटिश ओपन खिताब जीता। वह इंग्लैंड के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर भी रह चुके हैं। 2026 की ब्रिटिश चैंपियनशिप में 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जो इसके 122 साल के इतिहास में सबसे बड़ा आयोजन रहा।

श्रीलंकाई बोर्ड को कोच से विवाद पड़ा भारी

● कोलंबो / (एजेंसी)

श्रीलंका क्रिकेट और पूर्व मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे के बीच लंबे समय से चल रहा कानूनी विवाद आखिरकार समझौते के साथ खत्म हो गया। कॉन्ट्रैक्ट समय से पहले समाप्त करने के मामले में स्लुष्ट ने हथुरुसिंघे को 1.64 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 1.56 करोड़ रुपये) का भुगतान किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भुगतान के बाद हथुरुसिंघे ने स्विट्जरलैंड स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में चल रही कानूनी कार्रवाई वापस लेने पर सहमति जताई। उन्होंने शुरुआत में करीब 50 लाख डॉलर के हर्जाने की मांग की थी, जिसे बाद में घटाकर करीब 4.50 लाख डॉलर कर दिया गया था।

हथुरुसिंघे दिसंबर 2017 में श्रीलंका के मुख्य कोच बने थे। उनके कार्यकाल में टीम ने 67 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 24 में जीत और 38 में हार मिली। टीम के खराब प्रदर्शन और आंतरिक विवादों के बीच उनके कामकाज की जांच भी हुई थी। एक सदस्यीय जांच में उन्हें छह आरोपों में दोषी पाया गया था। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट खत्म किए जाने को लेकर विवाद कानूनी लड़ाई में बदल गया।

मामला श्रीलंका की कमेटी ऑन पब्लिक एंटरप्राइजेज तक भी पहुंचा, जिसने दोनों पक्षों को अदालत के बाहर समझौता करने की सलाह दी। आखिरकार दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का निपटारा हो गया।

विचार

शादी को लेकर सारा तेंदुलकर ने रखी बेबाक राय, माता-पिता सचिन-अंजलि जैसा चाहती हैं रिश्ता

शादी का मतलब सिर्फ पति-पत्नी नहीं, बल्कि मजबूत बॉन्डिंग भी है

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो आए दिन वायरल होते हैं। हाल ही में सारा ने इंस्टाग्राम पर साड़ी में अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इसी दौरान उन्होंने अपने फ्यूचर पार्टनर और शादी को लेकर भी खुलकर अपनी पसंद और सोच जाहिर की।

एक इंटरव्यू में 28 वर्षीय सारा ने बताया कि उनके लिए शादी का मतलब सिर्फ पति-पत्नी का रिश्ता नहीं, बल्कि एक मजबूत दोस्ती और बॉन्डिंग भी है। वह अपने होने वाले पार्टनर में वही समझ और दोस्ती चाहती हैं, जो उनके माता-पिता सचिन और अंजलि तेंदुलकर के रिश्ते में नजर आती है।

दोस्ती जैसा हो पति-पत्नी का रिश्ता

सारा के मुताबिक, उनके माता-पिता पति-पत्नी होने के साथ-साथ एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त भी हैं। दोनों के बीच घर में हंसी-मजाक, मस्ती और नोक-झोंक का माहौल रहता है। बचपन से माता-पिता के बीच ऐसा रिश्ता देखकर ही सारा की शादी को लेकर सोच बनी है। वह चाहती हैं कि उनका जीवनसाथी ऐसा हो, जिसके साथ वह बिना किसी झिझक के दोस्त की तरह हंस-बोल सकें और अपनी हर बात साझा कर सकें।

शादी को लेकर नहीं है कोई जल्दबाजी

शादी के लिए समाज की ओर से बनने वाले दबाव पर भी सारा ने अपनी राय रखी। उनका मानना है कि शादी जैसा बड़ा फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए। सिर्फ उम्र बढ़ने या लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव में वह शादी करने के पक्ष में नहीं हैं। सारा के मुताबिक, जीवन के इस अहम फैसले के लिए सही समय और सही व्यक्ति का इंतजार करना ज्यादा जरूरी है।

रिश्तों को लेकर बदली है नई पीढ़ी की सोच...

आज की पीढ़ी, खासकर जेन जी के रिश्तों को लेकर सारा ने कहा कि युवाओं की सोच में बड़ा बदलाव आया है। उनका मानना है कि आज के युवा गलत रिश्ते में बने रहने के बजाय उससे बाहर निकलने को बेहतर विकल्प मानते हैं। सारा ने कहा, पहले की पीढ़ियों में लोग अपने हक के लिए आवाज उठाने या गलत रिश्ते को खत्म करने से अक्सर झिझकते थे। वहीं, आज के युवा ज्यादा आत्मविश्वासी और सशक्त हैं। उनके मुताबिक, अगर शादी की तैयारियों के बीच भी किसी व्यक्ति को महसूस हो कि रिश्ता सही नहीं है, तो शादी से पहले पीछे हट जाना ही समझदारी है। सारा की इन बातों से साफ है कि वह शादी को सिर्फ सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि दोस्ती, समझ और आपसी सम्मान पर आधारित रिश्ते के तौर पर देखती हैं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
189 = 8	577 = 9
220 = 4	234 = 9
शुभांक	
दिन	रात
138 = 2	467 = 7
123 = 6	260 = 8
भाग्यांक	
0 3 5 8	
www.kalyangame.com	

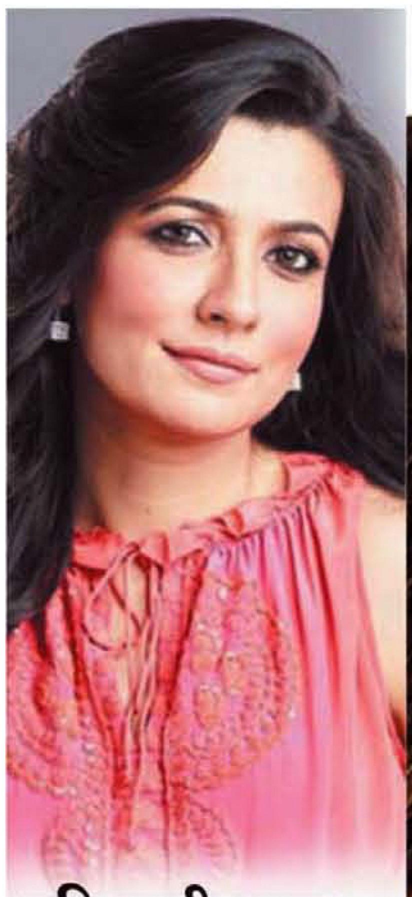

पति कबीर खान को 'द अलायंस' में इन्वेस्टेड देखना सरप्राइजिंग था

टेलीविजन होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर ने वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी अपने नाम की। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में अभिनेत्री की ये जीत उनके साथ-साथ पूरे परिवार के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके ये काफी सरप्राइजिंग था कि पति-फिल्ममेकर कबीर खान इस शो के लिए इतना इमोशनली इन्वेस्टेड थे। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, ''द अलायंस' मेरे साथ-साथ परिवार के लिए भी बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि उन्होंने कभी मुझसे ये उम्मीद नहीं की थी कि मैं अपने फोन, अपनों और डेली रूटीन के बिना शो की चुनौतियों को मैनेज कर पाऊंगी। जब मैं शो से वापस घर आई, तो मैं यह देखकर हैरान हो गई थी कि कबीर शो में कितना इन्वेस्टेड हो गया था। हर कंटेस्टेंट के हर मूव पर चर्चा करने के लिए फैमिली व्हॉट्सअप पर अनगिनत बातें होती थीं। मुझे सच में अपने करियर में कोई दूसरा प्रोजेक्ट याद नहीं है, जिसमें कबीर इतना इमोशनली इन्वेस्टेड हो।'

मिनी माथुर ने आगे कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि मेरे परिवार और पति को मुझ पर बहुत गर्व है। सच कहूं तो, सब कुछ अभी भी अजीब लगता है। मैं अभी घर से बाहर निकली ही थी और मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। इस पूरे अनुभव ने मेरी पूरी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।' शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी मिलने के बारे में मिनी माथुर ने कहा, 'मैंने इस गेम को बहुत अलग तरीके से खेला था। मुझे कभी भी चीखने, चिल्लाने, फालतू की पॉलिटिक्स करने या सबके काम में दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। मेरी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि मुझे एरीना चैलेंज सच में पसंद आए। मैं बहुत कॉम्पिटिटिव इंसान हूं, और इसीलिए मैं इस रियलिटी शो में आई। मैंने अपना गेम खेलने पर फोकस किया, साथ ही हेडक्वार्टर के सारे ड्रामा को अपने पर्सनल मोरल कंपास के हिसाब से हैंडल किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कभी किसी को अकेला नहीं किया, न ही मैं बेवजह झगड़ों में पड़ी। मेरी किसी से कोई बड़ी बहस भी नहीं हुई। जब भी मुझे लगा कि अपनी राय बताना जरूरी है, मैंने वैसा ही किया।'

रेमो डिसूज़ा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुई। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।'

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमो

टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे। आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्ट्स

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे। वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज कॉमेडी-थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी। रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

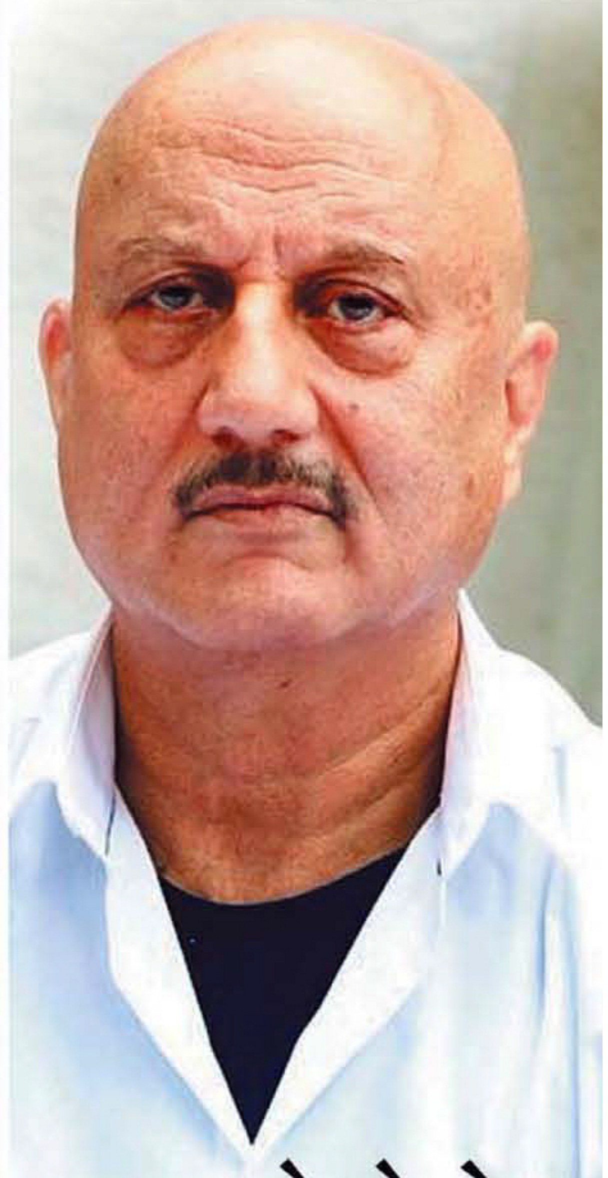

अनुपम खेर ने बोमन ईरानी का जताया आभार

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी चुकी है। अभिनेता अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए रैपअप की जानकारी दी। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने साथी-कलाकार बोमन ईरानी की जमकर सराहना की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर रैप-अप पार्टी की वीडियो पोस्ट की। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी को खास मित्र और साथ काम करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अनुपम खेर ने लिखा, 'खुराना साहब की फिल्म रैप। मंगलवार रात मेरे दोस्त बोमन ईरानी की फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी हो गई है। एक ऐसे आदमी के बारे में क्या कहा जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो, टैलेंट, विनम्रता, उदारता, समझदारी और एक बड़ा दिल।'

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म में अपने और बोमन ईरानी के बीच के रिश्ते को मजाकिया अंदाज में समझाते हुए लिखा, 'फिल्म में हमारा रिश्ता हमारे ऑफ-स्क्रीन रिश्ते से बिल्कुल अलग है। फिल्म में, वह डराने वाले, बेरहम और कभी न भूलने वाले खुराना साहब हैं। असल जिंदगी में, वह सबसे प्यारे, दयालु और सबसे उदार दोस्तों में से एक हैं, जिनकी कोई उम्मीद कर सकता है।'

उन्होंने बोमन ईरानी की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'बोमन के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा शानदार अनुभव रहा है। सिनेमा की उनकी समझ, तैयारी, हर छोटी-छोटी बात पर उनका ध्यान और हर सीन को और बेहतर बनाने की उनकी काबिलियत कमाल की है। वहीं, टेक के बीच, फिल्मों, जिंदगी या वर्ल्ड बिल्डिंग या शतरंज के खेल पर बात कर रहे हों, उनके साथ हर पल खुशी से भरा था।' उन्होंने आगे लिखा, 'फिल्म 'खोसला का घोसला 2' स्केल, इमोशन और दांव के मामले पर बड़ा है और हां, खुराना साहब भी बड़े हैं। बोमन ईरानी आप आपने अपनी काबिलियत को स्क्रिन पर और अपनी दोस्ती को मेरी जिंदगी में लेकर आए, जिसके लिए आपका तहे दिल से धन्यवाद। आपके साथ फ्रेम शेयर करना हमेशा

मेरे लिए खुशी की बात होती है

प्रशांत बांगिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'खोसला का घोसला 2' साल 2006 की चर्चित कल्ट कॉमेडी फिल्म 'खोसला का घोसला' का आगामी सीक्वल है। फिल्म में अनुपम खेर के अलावा, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, प्रवीण डबास, दिव्या खोसला, रवि किशन और किरण जुनेजा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

जिया शंकर ने की सगाई

लिखा-प्यार तब मिलता है जब आप...

अभिनेत्री जिया शंकर की सगाई हो गई है। 5 अगस्त को जिया ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करके यह खबर दी। उन्होंने अपने मंगेतर की भी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा है। इस मौके के लिए जिया ने हल्के पीले रंग का साटन गाउन पहना। उनके मंगेतर ने कढ़ाई वाली शर्ट और सफेद ट्राउजर पहनी। जिया ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि सूर्यास्त का समय है। एक तस्वीर में जिया की डायमंड सगाई की अंगूठी साफ दिख रही है। एक और तस्वीर में, वह अपने मंगेतर के साथ बगीचे में हाथ में हाथ डाले चल रही हैं। एक और तस्वीर में वह एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं।

सगाई की तस्वीरों के साथ जिया ने लिखा 'शायद यह सच है, प्यार तब मिलता है, जब आप इसकी सबसे कम उम्मीद करते हैं, लेकिन भगवान ने यहां सच में मेरे सब्र का इम्तिहान लिया। यह आसान नहीं था, लेकिन किसी तरह यह हो गया। आपके साथ हुई हर बातचीत, भले ही आप मुझसे हजारों मील दूर थे, घर जैसा एहसास देती थी। यह सफर आसान नहीं था लेकिन हमने हर दिन एक-दूसरे को चुना।'

इंतजार का मिला फल

उन्होंने यह भी लिखा, 'आपने मुझे वह प्यार दिया जिसका मैंने पूरी जिंदगी इंतजार किया। आपने मुझे मेरे सबसे मुश्किल दिनों में हंसाया। एयरपोर्ट पर विदाई के समय हर बार मुझे थोड़ा और कसकर गले लगाया, जैसे आपका दिल हजारों टुकड़ों में टूट रहा हो। हम दुनिया में कहीं भी हों, घर कोई जगह नहीं, बल्कि हमेशा आप ही रहे हैं।'

मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें

खुशाली कुमार ने कहा- जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी। उन्होंने कहा- जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई भूषण कुमार तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं।

'मुझे बहुत गर्व है कि मैं अपने पापा (गुलशन कुमार) की बेटी हूं। जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। हम तीनों भाई-बहन यही चाहते हैं कि हम अपने पापा के नाम से जाने जाएं।' यह कहना है भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में क्रांति लाने वाले निर्माता स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार का। करीब 30 साल पहले एक दुर्भाग्यपूर्ण वारदात में जान गंवाने वाले गुलशन कुमार के तीनों बच्चे- भूषण कुमार, तुलसी कुमार और खुशाली कुमार, अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। भूषण फिल्म निर्मात हैं, तुलसी सिंगर हैं और खुशाली एक्टिंग में नाम कमा रही हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में खुशाली ने हमसे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने और एक्टिंग करियर में देरी से एंट्री पर बेबाक और बेहद भावुक बातचीत की।

जिस तरह बड़े पेड़ के नीचे छोटे पौधे ठीक से पनप नहीं पाते, उसी तरह अक्सर देखा जाता है कि मशहूर भाई-बहन की छांव तले छोटे को अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में, 'पापा गुलशन कुमार की बनाई फिल्मी विरासत और मशहूर निर्माता भाई भूषण कुमार और गायिका बहन तुलसी कुमार की प्रसिद्धि के चलते खुशाली को किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पहले तो मुझे अपने पापा की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें, क्योंकि उन्होंने धर्म से लेकर म्यूजिक, समाज सबके लिए इतना कुछ किया है। उन्होंने म्यूजिक को आम आदमी तक पहुंचाया है तो मैं चाहती हूं कि हर कोई उन्हें याद रखे। दूसरे, मेरा मानना है कि एक ऐक्टर के तौर पर मेरा सफर बहुत खूबसूरती से आगे बढ़ रहा है। लोग मेरी जर्नी पहली फिल्म धोखा : राउंड द कॉर्नर से यहां तक देख रहे हैं लेकिन मैं अपना सफर वहां से देख रही हूं जब एक छोटी बच्ची ने ऐक्टर बनने का सपना देखा था और आज मैं फिल्में कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मैं अपनी जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं। मुझे इस पर गर्व है।'

जब हमने पापा को खोया मेरा भाई कम उम्र का था

खुशाली ने ऐक्टिंग में कदम थोड़ी देरी से रखा। इसकी वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'जब आप ऐक्टर बनने के लिए घरवालों को बोलते हैं तो इतनी जल्दी सपोर्ट नहीं मिलता है। मेरे पापा बहुत सपोर्टिव थे। वह बहुत दबंग थे, मगर मेरी मम्मी बहुत सारी चीजों में थोड़ी कंजर्वेटिव थीं। फिर पापा के गुजरने के बाद उनकी यह सोच हमें प्रोटेक्ट करने के लिए ज्यादा थी कि मुंबई जैसी जगह में मैं अकेली हूं। मेरे तीन बच्चे हैं तो ऐसी कोई चीज न करें जो कैमरे के सामने हो। उनको लगा कि मेरे लिए फैशन डिजाइनिंग ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी और मैंने काफी हद तक अच्छा किया भी। मैंने डिजाइनिंग की। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय स्टोर पर मेरे अपने नाम से कपड़े बिक रहे थे। विदेशों में 30 से 40 स्टोर थे जहां मैं रीटेल कर रही थी लेकिन मैं कभी भी खुश नहीं थी। मेरी खुशी हमेशा कैमरे के आगे थी लेकिन जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई (भूषण कुमार) तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं होता तो उस वक्त हम सब बच्चों की कोशिश यही थी कि हम कैसे एक दूसरे का सपोर्ट बने। ऐसी कोई चीज न करे कि कहीं से भी मम्मी पर थोड़ा भी दबाव बने। इसलिए मुझे मम्मी को कंविंस करने में थोड़ा वक्त लगा, मगर वक्त के साथ जब मॉम ने कंपनी जॉइन की, उनका भी आत्मविश्वास बढ़ा।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630